MT MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-42 ❖ मुंबई ❖ रविवार 09 से 15 अक्टूबर 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591

Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

मुंबई तरंग

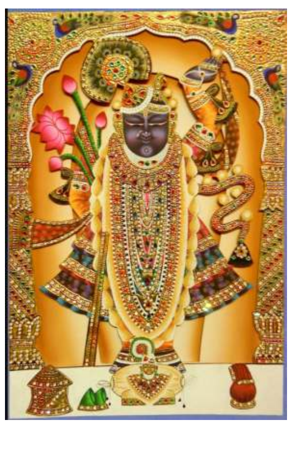

www.mumbaitarang.com

पेज 3

निमार्ता संदीप नागराले को मिला 'महात्मा गांधी रत्न सम्मान 2022'

पेज 5

हलवद स्टेशन पर कुछ ट्रेनों को प्रायोगिक आधार पर अतिरिक्त ठहराव दिया गया

पेज 7

आयशाशर्मा को पैपराज़ी ने वर्कआउट सेशन से पहले कैमरे में किया कैद

पेज 8

शंकराचार्य सदानंद सरस्वती जी महाराज का कुवाडवा-राजकोट के गुरुदत्त मठ में आगमन

एक नजर

आईडीबीआई बैंक के लिए निवेशकों से बोलियां आमंत्रित

नई दिल्ली। सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के आईडीबीआई बैंक में कुल 60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर बैंक का निजीकरण करने के लिए संभावित निवेशकों से बोलियां आमंत्रित की है। बोलियां जमा करने या अभिरुचि पत्र (ईओआइ) जमा करने की अंतिम तिथि 16 दिसंबर, 2022 तय की गई है। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के पास वर्तमान में आईडीबीआई बैंक में 529.41 करोड़ शेयरों के साथ 49.24 प्रतिशत हिस्सेदारी है जबकि केंद्र सरकार के पास 488.99 करोड़ शेयरों के साथ 45.48 प्रतिशत हिस्सेदारी है। दीपम ने कहा कि दोनों की हिस्सेदारी मिलकर आईडीबीआई बैंक की इक्विटी शेयर पूंजी का 60.72 प्रतिशत है।

एक्सिस नैस्डैक 100 फंड ऑफ फंड लॉन्च

मुंबई। परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी एक्सिस म्यूचुअल फंड ने एक्सिस नैस्डैक 100 फंड ऑफ फंड (नैस्डैक 100 ट्राई पर केंद्रित ईटीएफ की इकाइयों में निवेश करने वाली फंड स्कीम का ओपन एंडेड फंड) लॉन्च करने की घोषणा की। यह एनएफओ 21 अक्टूबर तक निवेशकों के लिए खुला है। यह जानकारी एक्सिस एएमसी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी चंद्रेश निगम ने दी। न्यूनतम आवेदन राशि, प्रति आवेदन 500 रुपये और उसके बाद 1 रुपये के गुणकों में होगी। यह फंड नैस्डैक-100 इंडेक्स को ट्रैक करने वाले कुछ विदेशी ईटीएफ में निवेश करेगा।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए 'ट्यूमॉक'

मुंबई। मल्टी मॉडल ट्रांजिट ऐप ट्यूमॉक के जरिये किसी शहर में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के बारे में सभी जानकारी मिल जाती है, जिससे ट्रैवलिंग टाइम काफी घट जाता है इसके अलावा ट्रैवलिंग कॉस्ट भी कम हो जाती है। ट्यूमॉक के यूजर्स को पब्लिक ट्रांसपोर्ट के साथ टिकटिंग और लाइव ट्रैकिंग की सुविधा मिलती है। फिलहाल बेंगलुरू, कोलकाता, मुंबई, चेन्नई, कोच्चि, हैदराबाद, दिल्ली, जयपुर, लखनऊ, अहमदाबाद, पटना और भोपाल में ट्यूमॉक की सुविधा उपलब्ध है।

इंडियाबुल्स हाउसिंग का सार्वजनिक निर्गम

नई दिल्ली। इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस ने शुक्रवार को 800 करोड़ रुपये तक की कर्ज पूंजी जुटाने के लिए बांड का सार्वजनिक निर्गम पेश किया। एक हजार रुपये के अंकित मूल्य वाले सुरक्षित, प्रतिदेय, गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र का सार्वजनिक निर्गम 28 अक्टूबर को बंद होगा। यह गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी के लिए तीसरी किश्त है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस निर्गम का आकार 100 करोड़ रु. का है और इसमें 700 करोड़ रुपये तक के अभिदान को बरकरार रखने का विकल्प है। बांड पर प्रति वर्ष 8.33 से 9.55 प्रतिशत तक ब्याज देय है और इसकी अवधि विभिन्न श्रृंखलाओं के लिए 24 से 36 महीने की है।

मुंबई पुलिस के 40 प्रतिशत कर्मचारी बीमार! मजबूरी में लेनी पड़ रही है दवाइयां, तनाव ने किया त्रस्त

मुंबई: त्योहारों का मौसम इन दिनों चल रहा है। रैलियां हो रही हैं और कुछ महीने बाद बीएमसी चुनाव (BMC Election) भी होने हैं। हर वक्त पूरे शहर में कभी यहां, तो कभी वहां बंदोबस्त का टेंशन रहता ही रहता है। इस वजह से मुंबई पुलिस कर्मी भी जबरदस्त मेंटल स्ट्रेस में रहते हैं- खासतौर से सिपाही। इसका उनकी हेल्थ पर बुरा असर पड़ रहा है। एनबीटी ने मुंबई पुलिस में कुछ अलग-अलग लोगों से बात की। उनका कहना है कि मुंबई पुलिस (Mumbai Police) में औसतन 40 प्रतिशत लोग किसी न किसी तरह की मेडिसिन लेते ही हैं। इसी मेंटल स्ट्रेस की वजह से किसी को ब्लड शुगर है, तो किसी को अन्य तरह की और बीमारियां।

एक सिपाही ने कहा कि हम लोगों के साथ दिक्कत है कि हम लोग ठीक से सो नहीं पाते।

जब जगते हैं, तो फिर ड्यूटी पर भागते हैं। परिवार के लिए हमारे पास वक्त नहीं है।

जब वक्त नहीं है, तो बच्चों की परवरिश नहीं कर पाते। बच्चों को लेकर जो और लोग बड़े-बड़े सपने देखते हैं, वह हम लोग नहीं देख पाते, क्योंकि हमारे पास बच्चों के लिए वक्त नहीं है। इस वजह से काम के अलावा बाद में हमारा परिवार को लेकर स्ट्रेस बढ़ जाता है।

सिपाहियों के लिए 8 घंटे की ड्यूटी का प्रॉजेक्ट

जब दत्ता पडसलगीकर मुंबई के पुलिस कमिश्नर थे, तो पुलिस सिपाही रवींद्र पाटील ने सिपाहियों के लिए 8 घंटे की ड्यूटी का प्रॉजेक्ट बनाकर पडसलगीकर को सौंपा था।

उन्होंने इस प्रॉजेक्ट को हरी झंडी दे दी। कुछ साल तक सिपाहियों के लिए आठ घंटे की ड्यूटी लागू भी हुई। फिर कोरोना शुरू हो गया और 8 घंटे की ड्यूटी फिर से 12 घंटे की हो गई।

शिंदे खेमा का तीर धनुष चुनाव चिह्न पर दावा

चुनाव आयोग ने ठाकरे नीत गुट से जवाब मांगा

निर्वाचन आयोग ने शिवसेना के उद्धव ठाकरे नीत खेमे को राज्य में आगामी विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर पार्टी के तीर धनुष चिह्न पर प्रतिद्वंद्वी एकनाथ शिंदे खेमे द्वारा किए गए दावे पर शनिवार तक जवाब देने को कहा है। ठाकरे खेमे को आयोग का निर्देश शुक्रवार को आया, जब शिंदे खेमा ने एक ज्ञापन सौंपकर मांग की कि तीर धनुष चुनाव चिह्न उसे आवंटित कर दिया जाए क्योंकि अंधेरी पूर्व विधानसभा उपचुनाव नजदीक है। आयोग ने ठाकरे को लिखे एक पत्र में शिवसेना को निर्देश दिया कि वह आवश्यक दस्तावेजों के साथ आठ अक्टूबर को अपराह्न दो बजे तक जवाब दे। आयोग ने कहा, यदि कोई जवाब नहीं मिलता है, तो आयोग मामले में तदनुसार उचित कार्वाई करेगा। आयोग ने ठाकरे को बताया कि शिंदे खेमे ने 4 अक्टूबर को तीर धनुष के लिए दावा पेश किया था। अंधेरी पूर्व उपचुनाव शुक्रवार को अधिसूचित किया गया। ठाकरे खेमे से ताल्लुक रखने वाले शिवसेना नेता अनिल देसाई ने कहा कि पार्टी निर्धारित समय के भीतर आयोग को जवाब देगी। देसाई ने शुक्रवार को आयोग के अधिकारियों से एक अलग मामले के संबंध में मुलाकात की और उस मामले में दस्तावेज जमा किए जिसमें शिंदे खेमे ने लोकसभा और राज्य विधानसभा के अधिकतर पार्टी सदस्यों के समर्थन का हवाला देते हुए खुद को असली शिवसेना होने का दावा किया है।शिंदे खेमा द्वारा तीर धनुष चुनाव चिह्न पर नए दावे को ठाकरे खेमा को इसके उपयोग से वंचित करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। ठाकरे खेमा ने 3 नवंबर को होने वाले उपचुनाव के लिए विधायक रमेश लटके की पत्नी रुतुजा लटके को मैदान में उतारने का फैसला किया है।शिंदे खेमे की सहयोगी भाजपा ने रमेश लटके के निधन के कारण हो रहे उपचुनाव के लिए बृहन्मुंबई महानगर पालिका पार्षद मुरजी पटेल को मैदान में उतारने का फैसला किया है।कांग्रेस और राकांपा ने शिवसेना के ठाकरे खेमे और महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एमवीए) में उनके गठबंधन सहयोगी के उम्मीदवार का समर्थन करने का फैसला किया है।शिंदे ने कांग्रेस और राकांपा के साथ अस्वभाविक गठबंधन करने के लिए ठाकरे के खिलाफ विद्रोह का झंडा बुलंद किया था।

शिंदे के पोते के बारे में ठाकरे के बयान से फडणवीस नाराज

अकोला। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पांच अक्टूबर को दशहरा रैली के दौरान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नाबालिग पोते के बारे में दिए गए शिवसेना के नेता उद्धव ठाकरे के बयानों की शुक्रवार को निंदा की और उन्हें निम्न स्तर का करार दिया। ठाकरे ने अपने भाषण के दौरान मुख्यमंत्री शिंदे पर हमला बोलते हुए कहा था कि उनका पुत्र (लोकसभा सांसद श्रीकांत शिंदे) बव्वा (बिगड़ैल बच्चा) है और पोते रुद्रांश की नजर नगरसेवक पद पर है। फडणवीस ने जिला योजना समिति की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा,"मुझे बहुत बुरा लगा कि उद्धवजी जैसे नेता ने एकनाथ शिंदे के पोते का उल्लेख करते हुए उस पर टिप्पणी की। यह बहुत निम्न स्तर की टिप्पणी थी। ठाकरे को सार्वजनिक रूप से अपने शब्दों को वापस लेना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता फडणवीस ने कहा,"अगर हम डेढ़ साल के बच्चे पर टिप्पणी कर रहे हैं तो महाराष्ट्र को हम किस ओर ले जा रहे हैं?

अमित शाह और जे.पी. नड्डा असम में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के अध्यक्ष जे.पी. नड्डा असम में सप्ताह के अंत में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करने के लिए शुक्रवार शाम गुवाहाटी पहुंचे। शाह और नड्डा अलग-अलग विमान से पहुंचे। गुवाहाटी हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और उनके कैबिनेट सहयोगियों, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष भावेश कलिता और राज्य के पार्टी सांसदों ने उनका स्वागत किया। शाह असम में हर साल आने वाली बाढ़ पर एक आधिकारिक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करने वाले हैं, और बाद में शाम को वह राज्य अतिथि गृह में भाजपा की असम कोर कमेटी के साथ चर्चा भी करेंगे।शाह शनिवार को भाजपा अध्यक्ष के साथ बेलटोला में पार्टी के नवनिर्मित प्रदेश कार्यालय का उद्घाटन करेंगे। साथ ही वे खानापारा पशु चिकित्सा मैदान में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक रैली को भी संबोधित करेंगे। इसके बाद नड्डा राज्य से प्रस्थान करेंगे, जबकि शाह पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्रियों, मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों के साथ मादक पदार्थों के विषय में एक बैठक करेंगे।वह शनिवार शाम को नॉर्थ ईस्टर्न स्पेस एप्लीकेशन सेंटर (एनईएसएसी) की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे।

स्टालिन ने द्रमुक के अध्यक्ष पद के लिए नामांकन भरा

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सत्तारूढ़ डीएमके के अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया। स्टालिन यहां पार्टी मुख्यालय अन्ना अरिवालयम पहुंचे और पार्टी के अहम पद के चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया, जिस पर उनके नौ अक्टूबर को पार्टी के आम परिषद की बैठक में निर्विरोध चुने जाने की संभावना है। द्रमुक पार्टी के महासचिव सहित सांसद कनिमोई और ए राजा के अलावा कई वरिष्ठ नेता मुख्यमंत्री स्टालिन के नामांकन पत्र दाखिल करने के समय मौजूद थे।

गुजरात के पुलिस प्रमुख ने खेड़ा की घटना पर एक्शन लिया

मुस्लिम युवकों के पिटाई-मामले की होगी जांच

गुजरात के पुलिस प्रमुख ने खेड़ा जिले में एक गरबा नृत्य कार्यक्रम पर पथराव करने के आरोपी मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों की पुलिसकर्मियों द्वारा सार्वजनिक रूप से पिटाई किए जाने की घटना की जांच का आदेश दिया है। वहीं, एक स्वयंसेवी संगठन ने मुख्य सचिव और डीजीपी को इस मुद्दे को लेकर कानूनी नोटिस भेजा है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया में आने और वायरल क्लिप का अधिकारियों द्वारा संज्ञान लिए जाने के बाद डीजीपी आशीष भाटिया ने जांच का आदेश दिया है। राज्य गृह विभाग के सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि कपड़वंज के पुलिस उपाधीक्षक वी एन सोलंकी को घटना की जांच करने और एक रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है। सोलंकी ने कहा, देर रात, मुझे घटना की जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई। मैं यथाशीघ्र अपनी रिपोर्ट सौंपूंगा। हालांकि, उन्होंने डंडे से पिटाई किए जाने की मंगलवार की घटना में संलिप्त पुलिसकर्मियों के बारे में कोई ब्योरा देने से इनकार कर दिया। गौरतलब है कि सोमवार रात खेड़ा के उंधेला गांव में नवरात्रि उत्सव के तहत आयोजित एक गरबा नृत्य कार्यक्रम में मुस्लिम समुदाय के लोगों की एक भीड़ के पथराव करने पर एक पुलिसकर्मी सहित सात लोग घायल हो गए थे। पुलिस के मुताबिक, हमलावरों ने एक मस्जिद के पास कार्यक्रम का आयोजन किए जाने पर आपत्ति जताई थी।

भारत जोड़ो यात्रा

महाराष्ट्र के कार्यकर्ताओं में पूरा उत्साह : चव्हाण

पुणे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण ने शुक्रवार को कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के महाराष्ट्र पहुंचने को लेकर पार्टी कार्यकर्ता बहुत उत्साहित हैं। राज्य में पदयात्रा का पहला पड़ाव नांदेड़ होगा। मुंबई में पत्रकारों से बातचीत में चव्हाण ने कहा कि राज्य में पदयात्रा के प्रवेश से पहले महाराष्ट्र के पार्टी प्रभारी एच. के. पाटिल की उपस्थिति में कांग्रेस के सभी विधायकों की बैठक हुई। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा सभी पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं में बहुत उत्साह है और सभी विधायकों तथा उनके विधानसभा क्षेत्र के लोग पदयात्रा में हिस्सा लेंगे।

सरकारों के प्रमुख के रूप में 21 साल पूरे करने पर मोदी के नेतृत्व को सराहा

भाजपा के नेताओं ने शुक्रवार को गुजरात के मुख्यमंत्री सहित सरकारों के प्रमुख के रूप में 21 साल पूरा करने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और देश के प्रति उनकी निःस्वार्थ सेवा की सराहना की। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने एक ट्वीट में कहा, आज ही के दिन 21 साल पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र के प्रति निष्कलंक और निस्वार्थ सेवा की शुरुआत की थी। वर्ष 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री का पदभार संभालने के बाद से मोदी शासन में व्यापक बदलाव ला रहे हैं, जो मजबूत और भरोसेमंद भारत का निर्माण कर रहा है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने वित्तीय और सामाजिक समायोजन के जरिए दयाभाव और समर्पण से लोगों की सेवा की है और उनके जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव लाया है। इस दूरदृष्टि भरे नेतृत्व को 21 साल हो गए हैं। मोदी ने आज ही के दिन 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री का पद संभाला था और वहां भाजपा को लगातार विधानसभा चुनावों में जीत दिलाने में सफलता हासिल की। उन्होंने वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में पार्टी के चुनाव अभियान का नेतृत्व किया और फिर देश के प्रधानमंत्री बने। इसके बाद 2019 के संसदीय चुनाव भी जीते थे।

ऑडी इंडिया की बिक्री जनवरी सितंबर में 29 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। जर्मनी की लग्जरी कार कंपनी ऑडी की भारतीय इकाई ऑडी इंडिया की जनवरी-सितंबर, 2022 में खुदरा बिक्री 29 प्रतिशत बढकर 2,947 इकाई हो गई। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ऑडी इंडिया ने जनवरी-सितंबर 2021 में 2,291 इकाइयों की बिक्री की थी। कंपनी ने बयान में कहा कि ई-ट्रॉन, ए4, ए6, और आरएस की क्यू5 के निरंतर मांग के साथ नए ए8 और क्यू7 मॉडलों के आने से बिक्री में वृद्धि हुई। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लन ने कहा, "पहले नौ महीनों में हमारे प्रदर्शन ने साल के बाकी हिस्सों में मजबूत प्रदर्शन की बुनियाद रखी है।'

बालसुब्रमण्यन एम्फी के चेयरमैन पद पर दोबारा निर्वाचित

नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड उद्योग के शीर्ष निकाय एम्फी ने शुक्रवार को कहा कि आदित्य बिड़ला सन लाइफ एएमसी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी निदेशक ए बालसुब्रमण्यन को एक बार फिर संगठन का चेयरमैन चुना गया है। भारतीय म्यूचुअल फंड संघ (एम्फी) ने अपने एक बयान में इस नियुक्ति की जानकारी दी। इसके साथ ही एडलवाइस एएमसी की प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी राधिका गुप्ता को भी फिर से संगठन का वाइस चेयरपर्सन निर्वाचित किया गया है। बालसुब्रमण्यन और राधिका दोनों को हाल ही में संपन्न एम्फी के निदेशक मंडल की बैठक में पुनर्निर्वाचिक किया गया।

मुंबई में भारी बारिश के आसार

दो दिन के लिए यलो अलर्ट जारी

मुंबई में शुक्रवार को हुई भारी बारिश के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शहर और आसपास के जिलों ठाणे, पालघर और कोंकण में अगले दो दिनों के लिए एलो अलर्ट जारी किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि आईएमडी ने शुक्रवार और शनिवार को अलग-अलग स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने, हल्की से मध्यम बारिश होने, 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और गरज के साथ बौछारें पड़ने का पूर्वानुमान जताया है। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि शहर में दिन भर बादल छाए रहे और दोपहर से लगातार बारिश हो रही है। शहर के कुछ हिस्सों में भारी बारिश और कहीं गरज के साथ छींटें पड़े हैं।

निगम के एक अधिकारी ने बताया कि द्वीप शहर, पूर्वी और पश्चिमी उपनगरों में क्रमशः 1.05 मिलीमीटर, 9.12 मिलीमीटर और 1.28 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि विक्रोली जैसे पूर्वी उपनगरों में चार घंटे की अवधि के भीतर 35 मिलीमीटर तक बारिश हुई। हालांकि, शहर में कहीं भी बड़े जल-जमाव की कोई सूचना नहीं मिली है।

आदेश — एफसीआरए के कथित उल्लंघन से जुड़े एक मामले में आईएआईटी के खिलाफ आदेश जारी किया गया है

एमनेस्टी इंडिया की 1.54 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्ति कुर्क

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंडिया से जुड़े एक परमार्थ ट्रस्ट की 1.54 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्ति धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत कुर्क कर ली गई है। यह जानकारी प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को दी। ईडी ने कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कुर्की का एक अस्थाई आदेश जारी किया जा चुका है। एमनेस्टी इंडिया द्वारा विदेशी चंदा विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के कथित उल्लंघन से जुड़े एक मामले में इंडियन्स फॉर एमनेस्टी इंटरनेशनल ट्रस्ट (आईएआईटी) के खिलाफ आदेश जारी किया गया है। ईडी ने एमनेस्टी इंडिया के खिलाफ सीबीआई की प्राथमिकी के आधार पर धनशोधन का मामला दर्ज किया था। एजेंसी ने एक बयान जारी कर कहा कि एमनेस्टी इंटरनेशनल इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट (एआईआईएफटी) को 2011-12 के दौरान एफसीआरए, 2010 के तहत एमनेस्टी इंटरनेशनल यूके से विदेशी चंदा प्राप्त करने की अनुमति दी गई थी।

ईडी ने कहा, हालांकि, बाद में इसे रद्द कर दिया गया था और अनुमति पंजीकरण से इनकार कर दिया गया था। ईडी ने कहा, एमनेस्टी इंटरनेशनल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एआईआईपीएल) और आईएआईटी का गठन क्रमशः 2013-14 और 2012-13 में एफसीआरए बचने के लिए किया गया था और उन्होंने सेवा निर्यात व प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की आड़ में भेजे गए धन से एनजीओ गतिविधियों को अंजाम दिया। निदेशालय ने कहा, ईडी द्वारा की गई जांच में पाया गया कि एआईआईएफटी के एफसीआरए लाइसेंस को रद्द करने पर, एमनेस्टी संस्थाओं ने विदेश से धन प्राप्त करने के लिए एक नया तरीका अपनाया गया था और एमनेस्टी इंटरनेशनल, यूके ने सेवाओं के निर्यात व प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की आड़ में एआईआईपीएल को 51.72 करोड़ रुपए भेजे थे।

लापरवाही बंद हो

पश्चिम अफ्रीकी देश गांबिया में 66 बच्चों की मौत के बाद वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्लूएचओ) ने एक भारतीय कंपनी के बनाए चार कफ सीरप को लेकर ग्लोबल अलर्ट जारी किया है। शुरुआती खबरों से ऐसा लग रहा है कि इन कफ सीरप में डाईथिलीन ग्लाइकोल मिलाया गया था जिसकी ज्यादा मात्रा जानलेवा होती है। हालांकि डब्लूएचओ से गांबिया में हुई बच्चों की मौतों और कफ सीरप के बीच संबंध की पुष्टि करने वाले और साक्ष्य मांगे गए हैं, लेकिन शुरुआती संकेत भी कम गंभीर नहीं हैं। इस संबंध में पहली बात यह है कि भले ही विवादों में आई हरियाणा की इस कंपनी को केवल निर्यात के लिए उत्पादन करने का लाइसेंस मिला हुआ था, लेकिन दवाओं में गड़बड़ियों की समस्या देश के अंदर भी उठती रही है। पिछले महीने ही चंडीगढ़ स्थित पोस्ट ग्रैजुएशन इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च में एनेस्थेटिक इंजेक्शन से पांच मरीजों की मौत हो गई थी। फरवरी 2020 में हिमाचल प्रदेश की एक कंपनी में बना कफ सीरप पीने से जम्मू-कश्मीर में 11 बच्चों की मौत की खबर आई थी। जाहिर है, ताजा मामले से जुड़े सारे तथ्य सामने आने ही चाहिए, वे लाए भी जा रहे हैं, लेकिन उस आड़ में समस्या और उसकी गंभीरता से इनकार नहीं किया जा सकता। दूसरी बात यह है कि कफ सीरप में मिलावट कोई नई बात नहीं, न ही इसे गलत या आपत्तिजनक माना जाता है। सवाल उसकी मात्रा का है। उसका अनुपात निश्चित है, लेकिन प्रोडक्शन कॉस्ट कम करने और मुनाफा बढ़ाने के फेर में अक्सर उसकी मात्रा तय सीमा से ज्यादा कर दी जाती है। इस पर अंकुश रखने के लिए नियम कानून ही नहीं, नियामक तंत्र भी बने हुए हैं। लेकिन देश में करीब 3000 कंपनियां और 10,500 से ज्यादा मैन्युफैक्चरिंग यूनिट हैं। जाहिर है, इन पर लगातार नजर रखने के लिए जितना बड़ा नेटवर्क और जिस स्तर की फंडिंग चाहिए, वह नहीं है।

तीसरी और सबसे बड़ी बात यह है कि फार्मास्युटिकल सेक्टर भारत के

सबसे संभावनाशील सेक्टरों में है। दुनिया की फार्मेसी कहे जाने वाले भारत की दवाओं के वैश्विक कारोबार में (मात्रा के हिसाब से) एक तिहाई हिस्सेदारी है। इस तरह की घटनाओं से किसी एक कंपनी की नहीं पूरे भारत की मेडिकल इंडस्ट्री की बदनामी होती है। तो मामला देश के अंदर का हो या बाहर का, ऐसी घटनाएं किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जा सकतीं। नियामक एजेंसियों की अपर्याप्त संसाधनों की शिकायत भी एक हद तक वाजिब हो सकती है। अगर ऐसा है तो सरकार को यह शिकायत दूर करनी चाहिए। लेकिन इसके साथ यह भी मानना पड़ेगा कि इन एजेंसियों में इच्छा शक्ति का भी अभाव है, नहीं तो ऐसी घटनाएं बार-बार सामने नहीं आतीं। सवाल इंसानी जिंदगी का है, इसलिए ऐसे मामलों में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

भरोसा लेकर हों सुधार

किरीट ए. चावड़ा

केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि सरकार चुनाव आयोग के साथ विचार-विमर्श कर रही है और मौजूदा जन-प्रतिनिधित्व कानून में संशोधन के जरिए वह चुनाव सुधारों को लागू करने के लिए विधायिका का समर्थन सुनिश्चित कर सकती है। वैसे, कानून मंत्री ने यह स्पष्ट नहीं किया कि सरकार कानून में किस तरह के संशोधन लाना और किन चुनाव सुधारों को लागू कराना चाहती है, लेकिन उनके बयान से एक दिन पहले ही चुनाव आयोग ने सभी दलों को पत्र लिखकर आदर्श आचार संहिता में कुछ संशोधन का प्रस्ताव रखा। आयोग का कहना है कि मौजूदा प्रावधानों के तहत भी राजनीतिक दलों को अपने चुनावी वादों को लागू करने के तरीके बताने ही होते हैं, लेकिन इस समय वे रूटीन ढंग से इस औपचारिकता का निर्वाह कर देते हैं। उनके जवाब प्रामाणिक और तथ्य आधारित हों, यह पक्का करने की जरूरत है। इसी मकसद से चुनाव आयोग ने यह नई पहल की है, जिसके तहत राजनीतिक दलों को पत्र भेजकर उनसे 18 अक्टूबर तक इस पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा गया है। आयोग ने कहा है कि वह कुछ चुनावी वादों के अवांछित प्रभावों पर मूकदर्शक बना बैठा नहीं रहेगा।

दिलचस्प है कि चुनाव आयोग का यह नया तेवर कुछ समय पहले के उसके अपने ही रुख के विपरीत है। इसी साल अप्रैल में एक मामले की सुनवाई के दौरान आयोग सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर कह चुका है कि वह राजनीतिक दलों के नीतिगत निर्णयों को रेग्युलेट नहीं कर सकता। मुफ्त रेवड़ियों से जुड़े मामले में भी चुनाव आयोग सुप्रीम कोर्ट की ओर से प्रस्तावित समिति में शामिल होने से इनकार कर चुका है।

आश्चर्य नहीं कि आयोग की ताजा पहल पर विभिन्न राजनीतिक दल सवाल उठा रहे हैं। कई दलों ने संदेह जताया है कि आयोग के रुख में आए बदलाव के पीछे कहीं सरकार का दबाव तो नहीं। हालांकि ऐसे आरोप सही रिफॉर्म्स को लेकर भी लगते रहे हैं। ध्यान रहे, चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है। इसका काम ऐसा है, जिसमें इसकी स्वायत्तता और निष्पक्षता का हर संदेह से परे रहना आवश्यक है। अगर सरकार चुनाव सुधारों को आगे बढ़ाने की जरूरत महसूस कर रही है तो बेहतर होगा कि वह तमाम राजनीतिक दलों को विश्वास में ले और फिर चुनाव आयोग तक उन प्रस्तावों को भिजवाए ताकि इस प्रक्रिया में हर कदम पर पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में चुनाव सुधारों की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन इसे आगे बढ़ाते हुए चुनाव आयोग समेत सभी संबंधित पक्षों के लिए आवश्यक है कि निष्पक्षता और पारदर्शिता के सभी तकाजे पूरे करते चलें। इस संबंध में कोई भी लापरवाही पूरी प्रक्रिया को पूरा होने से पहले ही निरर्थक बना सकती है।

क्षेत्रीय दलों के निशाने पर आई बीजेपी

गणेश पाण्डेय

नरेन्द्र मोदी की अगुआई में बीजेपी ने 2014 में कांग्रेस मुक्त भारत का सियासी नारा दिया था। उसमें आंशिक रूप से सफलता भी मिली। न सिर्फ 2014 और 2019 आम चुनाव में कांग्रेस ने अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन किया बल्कि कई राज्यों से उसकी सरकार भी चली गई। लेकिन इस बीच कई क्षेत्रीय दलों ने अपनी सियासी जमीन बचाए रखी। बीजेपी ने भी रणनीति के तहत उन पर उतना प्रहार नहीं किया जितना कांग्रेस पर किया। लेकिन पिछले कुछ सालों में बीजेपी ने पूरे देश में विस्तार करने और विभिन्न राज्यों में अपने दम पर सरकार बनाने के उद्देश्य से क्षेत्रीय दलों को भी उनके गढ़ में चुनौती देना शुरू कर दिया है। इसमें भी बीजेपी को आंशिक सफलता मिली। लिहाजा अब क्षेत्रीय दल भी आक्रामक रूप से बीजेपी के सामने उतर रहे हैं। जो क्षेत्रीय दल पिछले दो आम चुनावों में बीजेपी के प्रति अपेक्षाकृत नरम रहे, अब वही सबसे अधिक आक्रामक नजर आ रहे हैं। इन दलों को लगता है कि अगर 2024 में बीजेपी को रोकने में वे विफल रहे तो कांग्रेस की तरह ही उन्हें अपने ही गढ़ में जूझना पड़ सकता है। यही कारण है कि सियासी हालात को देखते हुए हाल के दिनों में कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों में सियासी दूरियां घटती दिख रही हैं। पिछले कुछ दिनों से पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी भी लगातार विपक्षी एकता की बात कर रहे हैं। कम से कम तीन मौकों पर उन्होंने स्पष्ट रूप से विपक्षी एकता की बात की। कांग्रेस के इस स्टैंड में पिछले दो महीने में बड़ा बदलाव दिखा।

बड़ी लड़ाई पर फोकस रखने का फैसला

उदयपुर में कांग्रेस के नव संकल्प शिविर में राहुल गांधी ने क्षेत्रीय दलों की सीमाएं गिनाते हुए कहा था कि देश में अकेली कांग्रेस ही है जो बीजेपी और संघ से लड़ सकती है। राहुल का कहना था कि क्षेत्रीय दलों की अपनी जगह तो है, लेकिन उनकी कोई विचारधारा नहीं होती। बीजेपी भी जानती है कि क्षेत्रीय दलों के हित क्षेत्रीय होते हैं, इसलिए वे उसे नहीं हरा सकते। राहुल के इस बयान पर एसपी, आरजेडी, जेएमएम से लेकर नैशनल कॉन्फ्रेंस और सीपीएम तक तमाम क्षेत्रीय दलों की ओर से तीखी टिप्पणियां आई थीं। लेकिन बाद में नीतीश कुमार से लेकर शरद पवार तक कई नेताओं की कांग्रेस नेतृत्व से मुलाकात हुई। सभी दलों ने माना कि पहले उन्हें प्राथमिकता तय करनी होगी। उसके बाद सभी सहमत हुए कि अभी उन्हें आपसी अंतर्विरोध को दरकिनार कर बड़ी लड़ाई पर फोकस रखना होगा।

क्षेत्रीय दल और कांग्रेस के बीच कई मौकों पर न सिर्फ विरोध रहा है बल्कि क्षेत्रीय दल भी कांग्रेस से दूरी बनाए रखने में ही अपना फायदा समझते थे। इसके पीछे उनका अपना कारण भी है। अधिकतर क्षेत्रीय दल चाहे तेलंगाना में हों या आंध्र प्रदेश में, पश्चिम बंगाल में हों या महाराष्ट्र में, कांग्रेस के पतन की कीमत पर ही उभरे हैं। जिन-जिन राज्यों में कांग्रेस कमजोर होती गई वहां-वहां क्षेत्रीय दलों का प्रभाव बढ़ता गया। यह ट्रेंड पिछले तीन दशकों से है। सबसे नया उदाहरण आम आदमी पार्टी है। बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और झारखंड जैसे राज्य में कांग्रेस से जो वोट बैंक निकला, उस पर ही अपनी पकड़ बनाकर क्षेत्रीय दल स्थापित हुए। अधिकतर क्षेत्रीय दलों का वोट आधार कांग्रेस से ही मिलता-जुलता रहा है। स्वाभाविक ही क्षेत्रीय दलों को लगा कि अगर कांग्रेस उभरेगी तो इसका नुकसान उन्हें होगा।

क्षेत्रीय दल और कांग्रेस के बीच एक ही वोट बैंक पर हक जताने की जंग चुनाव दर चुनाव दिखती भी रही है। लेकिन जानकारों के अनुसार पिछले दो-तीन सालों में हालात बदले हैं। अब इन सब के लिए बीजेपी से लड़ना प्राथमिक सियासी चुनौती बन गई है। लगभग एक दशक से देश की राजनीति के केंद्र में आ चुकी बीजेपी इन क्षेत्रीय दलों के लिए बड़ा खतरा बन गई। इसके अलावा बीजेपी की तरह कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों का भी अपना वोट बैंक बन गया। ऐसे में अब बहुकोणीय चुनाव का असर किसके वोट बैंक पर पड़ेगा इसका आकलन गलत भी साबित हो सकता है।

बदले हालात तो रिश्ते भी बदल गए तेलंगाना में केसीआर कांग्रेस को अपना सबसे निकटतम विरोधी मानते रहे। और इसी बीच पिछले कुछ सालों में बीजेपी वहां सबसे मजबूत दावेदार बनकर उभर आई। आज की तारीख में केसीआर अपने ही राज्य में कांग्रेस से अधिक बीजेपी को अपना खतरा मानते हैं। इसी तरह ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में कई सालों तक लेफ्ट-कांग्रेस को अपना मुख्स विरोधी माना। कांग्रेस की ओर से यहां तक आरोप लगा कि ममता ने इन दलों को कमजोर करने के लिए बीजेपी को स्पेस दिया। लेकिन आज की तारीख में पश्चिम बंगाल में न सिर्फ बीजेपी मुख्य विपक्ष बन गई है बल्कि राज्य में करीब 38 फीसदी तक वोट पा चुकी है। इसी तरह अब बीजेपी पंजाब, तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में भी पूरी तरह ताकत लगा चुकी है जहां क्षेत्रीय दलों का प्रभाव रहा है। पार्टी पहले ही उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य से लेकर उत्तर-पूर्व के छोटे-छोटे राज्यों में अपने दम पर बड़ी ताकत बन चुकी है जहां सालों तक क्षेत्रीय दलों का प्रभुत्व रहा था। उत्तर प्रदेश में एसपी या बीएसपी जैसी बड़ी क्षेत्रीय पार्टियां संघर्ष कर रही हैं जिनके पास सत्ता की चाबी होती थी। बिहार में भी जेडीयू से अलग होने के बाद बीजेपी पहली बार जेडीयू-आरजेडी को अकेले चुनौती दे रही है। महाराष्ट्र में बीजेपी शिवसेना को दो भागों में बांटने में सफल हो चुकी है। क्षेत्रीय दलों के बीच बीजेपी की अचानक बढ़ी सेंध ने अब इन क्षत्रपों की चिंता बढ़ा दी। इसका असर यह हुआ है कि इन दलों की ओर से क्षेत्रीय अस्मिता या 2024 में विपक्षी एकता की बात होने लगी है।

आर्थिक असमानता और सुशासन

भूपेन्द्र पटेल

सुगम जीवन का मतलब महज नागरिकों की जिंदगी में सरकारी दखल कम और इच्छा से जीवन बसर करने की स्वतंत्रता ही नहीं, बल्कि जीवन स्तर ऊपर उठाने से है। जीवन स्तर तभी ऊपर उठता है जब समावेशी ढांचा पुख्ता हो और सुशासन का आसमान कहीं अधिक नीला हो। 1992 की आठवीं पंचवर्षीय योजना समावेशी विकास से ओतप्रोत थी और यही वर्ष सुशासन के लिए भी जाना जाता है। मगर अब तक गांवों से पलायन रुका नहीं और बेरोजगारी की लगाम आज भी ढीली है। जिस देश में ग्रामीण और शहरी दोनों स्तरों पर बुनियादी ढांचा औसतन बेहतर स्थिति में है, वहां सुशासन की राह न केवल चौड़ी हुई है, बल्कि सुजीवन यानी सुंदर जीवन का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है। सुजीवन और सुशासन का गहरा संबंध है। कानून का शासन, भ्रष्टाचार से मुक्ति, विकास के लिए विकेंद्रीकरण को बढ़ावा, भूमंडलीकरण की स्थिति को समझते हुए रणनीतियों में बदलाव, ई-गवर्नेंस, ई-लोकतंत्र और अच्छे अभिशासन की अवधारणा पोषित करना, साथ ही सरकार और शासन की भूमिका में निरंतर बने रहना सुशासन और सुजीवन की पूरी खुराक है। भारत का मानव विकास सूचकांक तुलनात्मक रूप से बेहतर न होना सुजीवन के लिए बड़ा नुकसान है। गौरतलब है कि 2020 में भारत एक सौ नवासी देशों की तुलना में एक सौ इकतीसवें स्थान पर था, जो अपने पूर्ववर्ती वर्ष से दो कदम और पीछे गया है। ताजा रिपोर्ट में यही आंकड़ा एक सौ बत्तीसवें स्थान पर है। साफ है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में भले भारत की स्थिति छठवीं से पांचवीं हो गई हो, मगर विकास का हिस्सा बहुतों तक अभी पहुंच नहीं रहा है। किसी भी देश की अवस्था और व्यवस्था को समझने में मानव विकास सूचकांक, 'ईज आफ लिविंग इंडेक्स' के साथ बेरोजगारी, महंगाई, गरीबी और आर्थिक असमानता बड़े पैमाने हो सकते हैं। सामाजिक नवाचार नए सामाजिक कार्य हैं, जिनमें समाज को विस्तारित और मजबूत करने के उद्देश्य से नवाचार की सामाजिक प्रक्रियाएं शामिल हैं। समस्या समाधान से लेकर योजना बनाने और सतत विकास लक्ष्य के बारे में जागरूकता फैलाकर नए संदर्भों को बढ़त दी जाती है। देश में फैली गरीबी न केवल आर्थिक ताना मार रही है, बल्कि विकास की राह में भी दशकों से कांटे बो रही है।

आज भी सत्ताईस करोड़ लोग गरीबी रेखा के नीचे रहते हैं। हालांकि इस पर सरकारों की अपनी अलग राय रही है। मगर जब अस्सी करोड़ भारतीयों को पांच किलो अनाज मुफ्त देना पड़ा, तो समझिए गरीबी का आलम किस स्तर तक रहा होगा। अभी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह ने भी देश में गरीबी, बेरोजगारी और आर्थिक असमानता पर चिंता व्यक्त की है।

गरीबी को देश के सामने एक राक्षस जैसी चुनौती मानते हुए इसे सरकार की अक्षमता कहा है। इसमें कोई शक नहीं कि देश दो तरह से आगे-पीछे हो रहा है। एक, आर्थिक रूप से मुट्ठी भर लोगों का आगे बढ़ना, दूसरा बड़ी तादाद में आम जन का बुनियादी विकास से अछूता रहना। भारत में साढ़े छह लाख गांव हैं और साठ फीसद से अधिक आबादी ग्रामीण है।

देश में ढाई लाख पंचायतें हैं। यह लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण की वह रचना है, जहां से विकास की गंगा बहती है, मगर कई बुनियादी समस्याओं से गांव और उसकी पंचायतें आज भी जूझ रही हैं। शहर स्मार्ट बनाए जा रहे हैं, मगर बेरोजगारी इनकी चमक में चार चांद लगाने के बजाय मुंह चिढ़ाने का काम कर रही है।

'सेंटर फार मानिटरिंग इंडियन इकोनामी' के बेरोजगारी पर जारी आंकड़े बताते हैं कि अगस्त 2022 में भारत की बेरोजगारी दर एक साल के उच्च स्तर 8.3 फीसद पर पहुंच गई। हालांकि सितंबर में शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में श्रम भागीदारी में वृद्धि के साथ बेरोजगारी दर में गिरावट की बात कही जा रही है। ग्रामीण रोजगार में गिरावट ने सुशासन और सुजीवन दोनों को कुचलने का काम किया है, मगर बेरोजगारी का शहरी जीवन पर सर्वाधिक असर हुआ है। दुनिया में पचास फीसद से अधिक आबादी शहरों में रहती है। विश्व बैंक ने बरसों पहले कहा था कि अगर विकास में भारत की पढ़ी-लिखी महिलाओं का पूरी तरह योगदान हो जाए तो भारत की जीडीपी में 4.2 फीसद की बढ़ोतरी हो जाएगी। जीडीपी की इस बढ़त के साथ भारत को 2024 में पांच खरब डालर की अर्थव्यवस्था करने का इरादा भी शायद पूरा कर ले, मगर मौजूदा स्थिति में इसके आसार नहीं दिखाई देते। सुजीवन की तलाश सभी को है, मगर राह आसान कैसे होगी, इसकी समझ सत्ता, सरकार और प्रशासन से होकर गुजरती है।

2022 तक दो करोड़ घर उपलब्ध कराने से जुड़े सरकार के संकल्प सुजीवन और सुशासन की दृष्टि से कहीं अधिक प्रभावशाली था। इसी वर्ष किसानों की आय दोगुनी करने का इरादा भी इसी संकल्पना को मजबूत करता है। साथ ही बेरोजगारी समाप्त करने, महंगाई पर नियंत्रण करने और बेहतरीन नियोजन से आर्थिक खाई को पाने का सरकारी मंसूबा सुजीवन के पथ को चिकना कर सकता है, मगर यह जमीन पर उतरा नहीं है।

यह भी नहीं कहा जा सकता कि यह सब जमींदोज हो गया, पर जो यह कदम सरकार ने बड़े विश्वास से उठाया था, उसे कहां रखा गया, यह सवाल आज भी अच्छे जवाब की तलाश में है। 2028 तक भारत दुनिया में सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश होगा। ऐसे में जीवन की जरूरतें और जिंदगी आसान बनाने की चुनौती बहुत बड़ी होगी।

सुगम जीवन का मतलब महज नागरिकों की जिंदगी में सरकारी दखल कम और इच्छा से जीवन बसर करने की स्वतंत्रता ही नहीं, बल्कि जीवन स्तर ऊपर उठाने से है। और जीवन स्तर तभी ऊपर उठता है जब समावेशी ढांचा पुख्ता हो और सुशासन का आसमान कहीं अधिक नीला हो। 1992 की आठवीं पंचवर्षीय योजना समावेशी विकास से ओतप्रोत थी और यही वर्ष सुशासन के लिए भी जाना जाता है। इसी दौर में आर्थिक उदारीकरण का प्रसार होने लगा था और पंचायती राज व्यवस्था भी इसी समय लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण की अवधारणा के अंतर्गत ग्रामीण इतिहास और विकास बड़ा करने के लिए संवैधानिक अंगड़ाई ले चुकी थी। बावजूद इसके गांवों से पलायन रुका नहीं और बेरोजगारी की लगाम आज भी ढीली है। आर्थिक असमानता और गरीबी का मुंह तुलनात्मक रूप से कहीं अधिक बड़ा हो गया है। गौरतलब है कि 5 जुलाई, 2019 को बजट पेश करते हुए वित्तमंत्री ने आम लोगों की जिंदगी आसान करने की बात कही थी, जबकि प्रधानमंत्री पुराने भारत से नए भारत की ओर बढ़ने की बात पहले ही कर चुके हैं। मगर बढ़े हुए कर और महंगाई के साथ रोजगार में कमी से जिंदगी और कठिन हुई है। बहुधा ऐसा कम ही हुआ है कि किसी योजना का लाभ संबंधित वर्ग को पूरी तरह मिला हो।

एमएमआरडीए के माध्यम से मीरा-भायंदर सड़कों का होगा काँक्रीकरण : मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

मंत्रालय मे कई परियोजनाओं के लिए स्थानीय मीरा-भाईंदर विधायक और मनपा आयुक्त ने शहर के विकास के लिए चर्चा की

गणेश पाण्डेंय। मुंबई

मुंबई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मीरा भाईंदर मनपा क्षेत्र में एमएमआरडीए के माध्यम से सड़को को काँक्रीकरण करने के निर्देश दिए।एमएमआरडीए को सड़कों का समय समय पर अवलोकन कर करते रहना चाहिए ताकि सड़कें गड्डा मुक्त रहे। मुख्यमंत्री ने भारी वाहनों और हल्के वाहनों को असीमित सड़कों से यूटीडब्ल्यू तकनीक से कंक्रीट करने के निर्देश दिए। शुक्रवार को मंत्रालय में आयोजित बैठक में मीरा भाईंदर मनपा में विभिन्न कार्यों की समीक्षा की गई। इस अवसर पर विधायक प्रताप सरनाईक, विधायिका गीता जैन, वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज सोनिक,राजस्व विभाग के अपर मुख्य सचिव नितिन करीर, एमएमआरडीए महानगर आयुक्त श्रीनिवासन,मुख्य सचिव सोनिया सेठी, वन विभाग वेनू से मुलाकात करते हुए गोपाल रेड्डी, पर्यावरण विभाग के पार सचिव प्रवीण दराडे, ठाणे जिला कलेक्टर अशोक शिनगारे,मीरा भायंदर मनपा आयुक्त दिलीप ढोले आदि प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद थे।स्वच्छ भारत अभियान में 10 लाख जनसंख्या वाले शहरों के समूह में मीरा भायंदर मनपा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मुख्यमंत्री शिंदे ने मनपा आयुक्त दिलीप ढोले को बधाई दी।इस बार भाईंदर उत्तन सड़क चरण एक और दो को मंजूरी दी गई और कार्यान्वयन के लिए मीरा भाईंदर मनपा को निर्देश दिया गया, उत्तन में जैव विविधता पार्क विकसित करने के लिए, सीमेंट कंक्रीट सड़क को पूरा करने के लिए प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत ऋण निधि वितरण घोड़बंदर शिवसृष्टि परियोजना के कार्य को मंजूरी देते हुए और निर्माण करते हुए उपलब्ध निधी की मांग,अमृत चरण मीरा-भाईंदर शहर के सभी तलाव को दी चरणो मे विकसित करने और सजाने के लिए वित्त व्यवस्था पर बात हुई। मीरा-भाईंदर शहर में अंतरराष्ट्रीय मानक स्टेडियमों और खेल परिसर के निर्माण को मंजूरी और वित्त की मांग के साथ भायंदर पूर्व से घोड़बंदर चौपाटी को विकसित करने, मग्रोस की सुरक्षा और पार्क निर्माण करना एंव उत्तन में मछली बाजार बनाने,मछली प्रसंस्करण इकाई और मत्स्य पालन परियोजना के लिए परियोजनाओं की स्वीकृति के बारे में चर्चा की गई।

निमार्ता संदीप नागराले को मिला 'महात्मा गांधी रत्न सम्मान 2022'

मुम्बई। 2 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर सोशल वर्कर व फिल्म निर्माता संदीप नागराले को केसीएफ फाउंडेशन द्वारा 'महात्मा गांधी रत्न सम्मान 2022' से सम्मानित किया गया। साथ ही इस प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रसिध्द अभिनेता रंजीत, निर्देशक मेहुल कुमार, संगीतकार दिलीप सेन, अभिनेता पंकज बेरी, अनिल नागरथ, नाफ़े खान, यूनियन लीडर अभिजीत राणे, लोकसभा सांसद डॉ सुनील बलिराम गायकवाड़ एवं पत्रकार संतोष साहू भी सम्मानित हुए। इस पुरस्कार समारोह का आयोजन दूसरी बार कृष्णा चौहान ने किया।आपको बता दें कि संदीप ने कुछ महीने पूर्व सुप्रसिद्ध मराठी गायक स्वप्निल बांदोड़कर की आवाज़ में एक एलबम भी बनाया है। गौरतलब है कि संदीप नागराले पिछले कुछ वर्षों से फिल्म इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। उन्होंने प्रोड्यूसर एसोसिएशन में अपना बैनर वी एस एन प्रोडक्शन रजिस्टर कर युवा पीढ़ी में जागरूकता लाने के लिए नशामुक्ति पर एक शॉर्ट फिल्म का निर्माण किया जिसे कई पुरस्कार प्राप्त हुए। साथ वे कई फैशन शो का आयोजन भी करते रहते हैं। लेकिन बॉलीवुड में उनका लक्ष्य कुछ बड़ा काम करना है। उन्होंने फिल्मों में काम करने वाले चालीस बौनों को लेकर फिल्म 'आखिरी गब्बर' बनाया जो कि एक तरह का अनूठा प्रयास रहा। फिर लॉकडाउन के दौरान कॉमेडियन सुनील पाल अभिनीत मराठी फिल्म 'एक होता लेखक' रिलीज हुई जिसमें वह सह-निर्माता के रूप में जुड़े थे। संदीप नागराले ने एक बड़े बजट की हिंदी फिल्म के निर्माण की योजना बना रहे हैं जो एक हिडन गैंगस्टर की कहानी होगी। इसकी स्क्रिप्ट को वह शीघ्र ही पूरी कर लेंगे फिर किसी नामचीन एक्टर को अप्रोच करेंगे।संदीप का प्रयास रहता है कि फिल्म, टीवी, वेब सीरीज में नए प्रतिभाशाली लोगों को काम मिलता रहे।

गायत्री साहू

आईडीबीआई बैंक के लिए निवेशकों से बोलियां आमंत्रित

नई दिल्ली। सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के आईडीबीआई बैंक में कुल 60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर बैंक का निजीकरण करने के लिए संभावित निवेशकों से बोलियां आमंत्रित की है। बोलियां जमा करने या अभिरुचि पत्र (ईओआई) जमा करने की अंतिम तिथि 16 दिसंबर, 2022 तय की गई है। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के पास वर्तमान में आईडीबीआई बैंक में 529.41 करोड़ शेयरों के साथ 49.24 प्रतिशत हिस्सेदारी है जबकि केंद्र सरकार के पास 488.99 करोड़ शेयरों के साथ 45.48 प्रतिशत हिस्सेदारी है। दीपम ने कहा कि दोनों की हिस्सेदारी मिलकर आईडीबीआई बैंक की इक्विटी शेयर पूंजी का 60.72 प्रतिशत है।

एक्सिस नैस्डैक 100 फंड ऑफ फंड लॉन्च

मुंबई। परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी एक्सिस म्यूचुअल फंड ने एक्सिस नैस्डैक 100 फंड ऑफ फंड (नैस्डैक 100 ट्राई पर केंद्रित ईटीएफ की इकाइयों में निवेश करने वाली फंड स्कीम का ओपन एंडेड फंड) लॉन्च करने की घोषणा की। यह एनएफओ 21 अक्टूबर तक निवेशकों के लिए खुला है। यह जानकारी एक्सिस एएमसी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी चंद्रेश निगम ने दी। न्यूनतम आवेदन राशि, प्रति आवेदन 500 रुपये और उसके बाद 1 रुपये के गुणकों में होगी। यह फंड नैस्डैक-100 इंडेक्स को ट्रैक करने वाले कुछ विदेशी ईटीएफ में निवेश करेगा।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए 'ट्यूमॉक'

मुंबई। मल्टी मॉडल ट्रांजिट ऐप ट्यूमॉक के जरिये किसी शहर में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के बारे में सभी जानकारी मिल जाती है, जिससे ट्रैवलिंग टाइम काफी घट जाता है इसके अलावा ट्रैवलिंग कॉस्ट भी कम हो जाती है। ट्यूमॉक के यूजर्स को पब्लिक ट्रांसपोर्ट के साथ टिकटिंग और लाइव ट्रैकिंग की सुविधा मिलती है। फिलहाल बेंगलुरू, कोलकाता, मुंबई, चेन्नई, कोच्चि, हैदराबाद, दिल्ली, जयपुर, लखनऊ, अहमदाबाद, पटना और भोपाल में ट्यूमॉक की सुविधा उपलब्ध है।

इंडियाबुल्स हाउसिंग का सार्वजनिक निर्गम

नई दिल्ली। इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस ने शुक्रवार को 800 करोड़ रुपये तक की कर्ज पूंजी जुटाने के लिए बांड का सार्वजनिक निर्गम पेश किया। एक हजार रुपये के अंकित मूल्य वाले सुरक्षित, प्रतिदेय, गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र का सार्वजनिक निर्गम 28 अक्टूबर को बंद होगा। यह गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी के लिए तीसरी किश्त है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस निर्गम का आकार 100 करोड़ रु. का है और इसमें 700 करोड़ रुपये तक के अभिदान को बरकरार रखने का विकल्प है। बांड पर प्रति वर्ष 8.33 से 9.55 प्रतिशत तक ब्याज देय है और इसकी अवधि विभिन्न श्रृंखलाओं के लिए 24 से 36 महीने की है।

ऑडी इंडिया की बिक्री जनवरी सितंबर में 29 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। जर्मनी की लग्जरी कार कंपनी ऑडी की भारतीय इकाई ऑडी इंडिया की जनवरी-सितंबर, 2022 में खुदरा बिक्री 29 प्रतिशत बढकर 2,947 इकाई हो गई। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ऑडी इंडिया ने जनवरी-सितंबर 2021 में 2,291 इकाइयों की बिक्री की थी। कंपनी ने बयान में कहा कि ई-ट्रॉन, ए4, ए6, और आरएस की क्यू5 के निरंतर मांग के साथ नए ए8 और क्यू7 मॉडलों के आने से बिक्री में वृद्धि हुई। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लन ने कहा, ''पहले नौ महीनों में हमारे प्रदर्शन ने साल के बाकी हिस्सों में मजबूत प्रदर्शन की बुनियाद रखी है।'

अखिल भारतीय संत समिति द्वारा धमार्देश - 2022

सरकार अल्पसंख्यक मंत्रालय, वक्फ बोर्ड, और सेंसर बोर्ड को समाप्त करे

जीतु सोमपुरा नई दिल्ली : भारत के साधु संतो के सर्वोच्च संगठन अखिल भारतीय संत समिति की उच्च स्तरीय बैठक में सर्वानुमति से मंजूर किए गए धर्मादेश-२०२२ में स्पष्ट दर्शाया है की वर्तमान सरकार अल्पसंख्यक मंत्रालय, वक्फ बोर्ड और सेंसर बोर्ड समाप्त करे क्योंकि ये संस्थाएं देश की बहुसंख्यक आबादी की भावनाओ को सम्मान करने में असफल गई है। पिछली सरकारो ने मुस्लिम तुष्टिकरण को महत्व देकर उनको बढ़ावा दिया है। देश की जमीनों पर अवैध कब्जा किया गया है । अल्पसंख्यक मंत्रालय,वक्फ बोर्ड द्वारा देश में भूमि जिहाद चलाया जा रहा है । कुछ हिन्दू मंदिरो पर कब्जा जमाने की कोशिश हो रही हैं। आज वक्फ बोर्ड के पास सेना और रेलवे के बाद तीसरी सबसे ज्यादा भूसंपति हैं। आज फिल्मों में सेंसर बोर्ड की जगह सनातन सेंसर बोर्ड का निर्माण करना चाहिए ऐसी मांग धर्मादेश में है। क्योंकि आजकाल की कुछ खास फिल्मों में देश की सेना, हिन्दू देवी देवता, बहुसंख्यक हिन्दू समाज और सनातन धर्म का उपहास उड़ाया जाता है। सनातन धर्म की छवि को बहुत हानि पहुंची है। दूसरी ओर धर्मादेश में संत समिति ने वर्तमान सरकार की प्रसंशा करते हुए कहा है की हिंदुओ की भावनाओ को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने कई अच्छे प्रसंशनीय कार्य किए हैं। संतो की इस विशेष बैठक में मोदी जी और शाह जी दोनो को धन्यवाद भी व्यक्त किया गया था। अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री पूज्य श्री जितेंद्रानंद सरस्वतीजी ने कल नई दिल्ली में आयोजित धर्मादेश में व्यक्त की गई चिंता और चेतावनी दर्शाते हुऐ कहा था की वर्तमान समय में भारत को कई गंभीर चुनौतियां परेशान कर रही हैं। बहुत जल्द इन समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो देश के समक्ष गंभीर संकट खड़ा होगा। धर्मादेश २०२२ के लिए आयोजित सभा में सतपंथ की ओर से तेजस्वी महामंडलेश्वर स्वामी जनार्दन हरि जी महाराज ने कहा की सतपंथ संप्रदाय धर्मादेश का समर्थन करता हैं। इनकी विचारधारा को अनुमोदन देता हैं। संत समिति का एक धर्मादेश समाज में उत्सवों के दौरान हमारी परंपरा को साथ रखकर मनाने के लिए भी होना चाहिए। महाराजश्री ने विशेष रूप से कहा की सतपंथ के मुख्य केंद्र पिराणा को भी वक्फबोर्ड परेशान कर रहा हैं। संत समिति की इस विशेष महासभा की सफलता के लिए पिछले कुछ समय से दिनरात समिति के महामंत्री श्री जितेंद्रानंद सरस्वतीजी महाराज तथा सहमंत्री महामंडलेश्वर स्वामी मनमोहनदास जी महाराज (राधे राधे बाबा) सहित कुछ संतो ने विशेष योगदान दिया था। संत समिति की ये विशिष्ट सभा में देश के प्रसिद्ध संतो ने अपने अपने विचार प्रस्तुत किए थे। जिनमें जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती जी महाराज, संत समिति के अध्यक्ष आचार्य अविचलदास जी महाराज, रामानंदाचार्य स्वामी राज राजेश्वराचार्य जी महाराज, महानिर्वाणी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी विशोकानंद जी महाराज, आनंद अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी बालकानन्द गिरि जी महाराज, अटल अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी विश्वात्मानंद जी महाराज, आचार्य धर्मदेवजी महाराज, अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविन्द्र पुरीजी महाराज, स्वामी चिदंबरानंद सरस्वतीजी महाराज, संत समिति के खजांची वरिष्ठ महामंडलेश्वर जनार्दन हरि जी महाराज, स्वामीनारायण संप्रदाय वड़ताल के वरिष्ठ संत नौतम स्वामीजी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी नवलकिशोरदास रामायणी जी महाराज, महंत अरुणदास जी महाराज सहित अनेक संत हाजिर थे। इस धर्मादेश २०२२ के बाद गुजरात में अहमदाबाद के पास काशीनगरी, श्री निष्कलंकी नारायण तीर्थधाम - प्रेरणापीठ में १७ से १९ अक्टूबर के दौरान १९ को आयोजित विराट संत सम्मेलन में अनेक प्रसिद्ध संत विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।

समस्त महाजन और पंडित सोमेश माथुर द्वारा बेसहारा पशुओं के लिए 11 एंबुलेंस डोनेशन

मुंबई। पशु पक्षियों के देखभाल के लिए कार्य करने वाली अग्रणी सामाजिक संस्था समस्त महाजन के द्वारा मुंबई के जानवरों की देखभाल के लिए 11 मोबाइल एम्बुलेंस डोनेट किया गया। मुंबई के रंग शारदा में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में फ़िल्म निर्माता मुकेश भट्ट, अभिनेत्री सुचित्रा कृष्णमूर्ति, पंडित सोमेश माथुर, गिरीश भाई शाह उपस्थित रहे।समस्त महाजन ग्रुप और पंडित सोमेश शर्मा के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में 11 अत्याधुनिक एंबुलेंस को फ्लैग ऑफ करने के साथ शुरुआत की गयी। समस्त महाजन ग्रुप की स्थापना 2001 में मानव समाज और अन्य सभी जीवित प्राणियों के जीवन को बेहतर बनाने एवं धर्मार्थ कार्यों को करने के एकमात्र उद्देश्य से की गई थी, विशेष रूप से बेज़ुबान जानवरो के देखभाल के लिए संस्था प्रतिबध्द रहती है। संस्था का मुख्य कार्य पशु और पक्षियों के प्रति दया और कल्याण, पर्यावरण सुरक्षा सम्बन्धी गतिविधियां, जरूरतमंद छात्रों और शैक्षणिक संस्थानों को शैक्षिक सहायता, प्राकृतिक या मानव निर्मित आपदाओं के समय आपदा राहत, प्राचीन धार्मिक स्थलों के संरक्षण, सुधार और रखरखाव के लिए धार्मिक सेवाएं कार्यों में निरंतर सक्रिय रहती है।समस्त महाजन ग्रुप मुंबई, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद और राजकोट में भारतीय राज्यों और कार्यालयों में प्रतिनिधियों के एक विस्तृत नेटवर्क के साथ, यथासंभव शीघ्र संभव समय में सहायता प्रदान करना सुनिश्चित करता है। गौशालाओं में रहने वाले जानवरों की सहायता करने की बात आती है तो यह संगठन सबसे सक्रिय में से एक है। जन 2001 में मुंबई पब्लिक ट्रस्ट एक्ट, 1950 के तहत पंजीकृत एक सार्वजनिक ट्रस्ट है।गिरीश भाई शाह (मैनेजिंग ट्रस्टी, समस्त महाजन ग्रुप) ने कहा कि हमारी संस्था देश के अन्य राज्यों में पहले से बेज़ुबान पशुओं के लिए कार्य कर रही है। हमने जब मुंबई के पशुओं पक्षियों के लिए सोचा तो हमें 11 एंबुलेंस की ज़रूरत महसूस हुई क्योंकि मुंबई में बहुत ट्रैफ़िक और भीड़ भाड़ है इसलिए किसी भी जानवर के घायल होने पर एंबुलेंस सही समय पर पहुँच सके।इस अवसर पर मुकेश भट्ट ने कहा कि मैं हमेशा सड़क पर जाते हुए यह सोचता था कि सड़क किनारे रहने वाले जानवर जब बीमार होते हैं या घायल होने पर उसका दर्द कैसे दूर होता हैं। सोमेश माथुर जी ने मुझे समस्त महाजन ग्रुप और पशुओं के कल्याण के बारे में किए जा रहे कार्यों के बारे में बताया। आज मैंने पशुओं के लिए एंबुलेंस वैन जो आधुनिक अस्पताल से लैस हैं, देखकर बहुत अच्छा लगा। समस्त महाजन ग्रुप द्वारा यह बहुत ही प्रशंसनीय कार्य है। इस अवसर पर पंडित सोमेश माथुर ने बताया कि मुंबई में समस्त महाजन ग्रुप की तरफ से 11 डॉक्टरों से सुसज्जित एम्बुलेंस एक बहुत ही क्रांतिकारी कार्य है। दौड़ती भागती मुंबई में बेज़ुबान जानवरों की पीड़ा को दूर करने का यह हम सबका एक संयुक्त प्रयास है। हम चाहते हैं प्रत्येक मुंबईकर इस अभियान से जुड़े। आप कहीं पर पीड़ित जानवर देखें तो तत्काल हमारे टोल फ्री नम्बर पर सम्पर्क करें।इस कार्यक्रम के आयोजन में पंडित सोमेश माथुर की अहम भूमिका रही। पंडित सोमेश माथुर एमटीवी - वीएमए विनिंग ग्लोबल गुरु, एक ग्लोबल आइकन और एक उस्ताद हैं, जो एक गायक, कलाकार के रूप में 30 से अधिक वर्षों से संगीत व्यवसाय में सक्रिय हैं। संगीतकार, गीत लेखक, अरेंजर, संगीत निर्माता, संरक्षक, दूरदर्शी, समाज सुधारक और एक उद्यमी हैं। वह रिकॉर्डिंग अकादमी (ग्रैमी अवाड्र्स) द्वारा मेंटर के रूप में शामिल होने वाले पहले भारतीय नागरिक हैं। सोमेश माथुर ने बतौर गुरु 200 से अधिक कलाकारों को ग्रूम किया है, जिनमें से कई मशहूर हस्तियां बन चुके हैं। वह भारतीय और विश्व संगीत परिदृश्य में नई शैलियों और ध्वनियों को बनाने में सबसे आगे रहे हैं। सोमेश माथुर ने संगीत और संस्कृति कंपनी स्वीटबीट्स प्रोडक्शन की स्थापना 2001 में की। स्वीटबीट्स प्रोडक्शन दुनिया भर के शीर्ष कलाकारों के साथ गठबंधन करके और गैर-लाभकारी सामाजिक-सुधारवादी संगठनों जैसे वैश्विक स्तर पर उल्लेखनीय कार्य किया है। लाइव कॉन्सर्ट और रिकॉर्डिंग में दिग्गज जैसे स्कॉट किन्से, गैरी नोवाक, गेर्गो बोरलाई, केटिस बकिंघम, जिमी अर्ल, मार्क 'स्पाइक' स्टेंट (ईस्टवेस्ट स्टूडियो, हॉलीवुड), सीन मैगी (एबी रोड स्टूडियो, लंदन), राकेश चौरसिया, नीलाद्री कुमार, जयंती गोशेर, चिंटू सिंह 'वसीर', तौफीक कुशी, नासिर कुरैशी, हिदायत खान, रफीक अहमद, राजेश राजभट्ट, अनुराधा पाल, साबिर खान, दिलशाद खान, जीतू शंकर, अमित चौबे, अनुप्रीता चटर्जी, दिनशाह संजना, कार्ल पीटर्स, महेश तिनाइकर, कुंवर राजेंद्र सिंह, एड्रियन फर्नांडीस, पं. रघुनाथ सेठ, राशिद मुस्तफा के साथ महत्वपूर्ण कार्य किया है।

युवा सोशल वर्कर मयंक शेखर हुए सम्मानित

मुम्बई। सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़ कर भाग लेने सोशल वर्कर मयंक शेखर हाल ही 'महात्मा गांधी रत्न सम्मान 2022' से सम्मानित हुए हैं। यह पुरस्कार उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए मुम्बई के अंधेरी पश्चिम स्थित मेयर हॉल में गांधी जयंती के अवसर पर प्रदान किया गया। केसीएफ फाउंडेशन के अंतर्गत आयोजित इस प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में कई अन्य समाजसेवक, बॉलीवुड के निर्माता, निर्देशक, कलाकार, पत्रकार सम्मानित हुए जिनमें अभिनेता रंजीत, पंकज बेरी, निर्देशक मेहुल कुमार, बी एन तिवारी, संगीतकार दिलीप सेन, यूनियन लीडर अभिजीत राणे एवं पत्रकार संतोष साहू का नाम उल्लेखनीय है।लखनऊ, उत्तरप्रदेश के मयंक शेखर वर्तमान में मुम्बई महानगर में जोगेश्वरी स्थित एमएनबी होम फॉर ब्लाइंड में सीईओ के पद पर आसीन हैं साथ ही नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड से भी जुड़े हैं। वह दिव्यांगजनों को लाभान्वित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी कार्य करते रहते हैं। इनकी देखरेख में कई दृष्टिहीनों ने संगीत के क्षेत्र में गायन वादन सीखा है जो ऑर्केस्ट्रा में अपनी प्रतिभा प्रदर्शन कर आर्थिक रूप से सक्षम भी हो रहे हैं। मयंक का कहना है कि मेरी हमेशा यही कोशिश रहती है कि मेरे संपर्क में रहने वाले दृष्टिहीन हीनभावना से ग्रसित होकर डिप्रेशन में न रहे। वह लोग सदैव प्रसन्नचित रहकर अपना जीवन यापन करते रहें और अपने परिवार पर बोझ न बनने पायें।मैं इन्हें समझने की कोशिश भी करता हूँ कि इनकी आवश्यकता क्या है।मयंक शेखर बचपन से ही परोपकारी स्वभाव के रहे हैं और असहाय लोगों की पीड़ा को दूर करने के लिए अपने स्तर पर ज़ोर लगाते रहते हैं। इस समय कई एनजीओ मयंक की कार्यशैली से प्रभावित हैं और उनके अगुआई में दिव्यांगों की सहायता में जुटे हैं।

इन सबके अलावा मयंक शेखर एक प्रशिक्षित कलाकार भी हैं। डांसिंग में उन्होंने कई कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके हैं।आने वाले समय में वह बॉलीवुड के कई प्रोजेक्ट में काम करने जा रहे हैं। कुछ कलाकर जो नेत्रहीन की भूमिका में अभिनय करेंगे उन्हें भी मयंक शेखर प्रशिक्षित करेंगे।

गायत्री साहू

चुनाव चिन्ह धनुष बाण पर शिंदे गुट का दावा

चुनाव आयोग में दिया आवेदन

मुंबई: महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गुरुवार 6 अक्टूबर को शिवसेना के चुनाव निशान धनुष और बाण पर दावा करने के लिए चुनाव आयोग में आवेदन दिया है। आवेदन में शिंदे ने धनुष और तीर के आवंटन की मांग की है। आवेदन में शिंदे समूह ने दावा किया है कि उद्धव ठाकरे गुट को विधायकों का समर्थन हासिल नहीं है। शिंदे ने धनुष और तीर के दावे पर याचिका की तत्काल सुनवाई और निपटान की मांग की है। शिंदे ने चुनाव आयोग को अपनी प्रार्थना में कहा है कि इसलिए, सबसे विनम्रता और सम्मानपूर्वक प्रार्थना की जाती है कि, वर्तमान याचिका के प्रवेश और अंतिम निपटान तक आयोग ये चुनाव चिन्ह के लिए 1968 के अनुच्छेद 15 के तहत याचिकाकर्ता की दायर याचिका को तत्काल सुनें और धनुष और तीर चिन्ह हमें आवंटित करें।

जुलाई में किया था दावा इससे पहले शिंदे गुट जुलाई में भी शिवसेना के चुनाव चिन्ह धनुष तीर पर दावा किया था। निर्वाचन आयोग को भेजे पत्र में शिंदे गुट ने असल शिवसेना होने का दावा किया था और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर द्वारा दी गई मान्यता का हवाला दिया था।

7 अक्टूबर तक जमा करने होंगे दस्तावेज शिवसेना के चुनाव चिन्ह के लिए ठाकरे और शिंदे गुटों के बीच चल रही लड़ाई के लिए 7 अक्टूबर दो तरह से महत्वपूर्ण है। क्योंकि चुनाव आयोग ने दोनों पक्षों को दस्तावेज जमा करने के लिए कहा है, लेकिन अंधेरी पूर्व उपचुनाव के लिए भी नामांकन फॉर्म दाखिल किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बावजूद चुनाव आयोग ने दस्तावेज जमा करने की तारीख 7 अक्टूबर बताई है। अब देखना होगा कि चुनाव आयोग इन दस्तावेजों पर फैसला करेगा या शिवसेना चुनाव की घोषणा के समय की स्थिति को देखते हुए चुनाव चिन्ह को बरकरार रखेगी। ऐसे में अगले तीन दिन अहम होंगे।

सक्रिय होने के लाभ

हिरल शाह

सक्रिय बनाम प्रतिक्रियाशील। किसी भी स्थिति से निपटने के ये दो तरीके हैं। आप सक्रिय हो सकते हैं और आपके दिन में जो कुछ भी स्टोर में हो सकता है उससे आगे निकल सकते हैं। या आप प्रतिक्रियाशील हो सकते हैं और किसी विशेष कार्य को चुनने से पहले अपने दिन को विकसित होते हुए देख सकते हैं। तथ्य यह है कि किसी स्थिति से निपटने का कोई सही या गलत तरीका नहीं है। इसके साथ ही, कुछ प्रमुख लाभ हैं जो आप अनुभव करेंगे यदि आप प्रतिक्रियाशील के विपरीत सक्रिय होना चुनते हैं।

सक्रिय होने से आप अपनी विशेष स्थिति को निर्धारित कर सकते हैं और आप जिस भी स्थिति का सामना कर रहे हैं उस पर नियंत्रण की भावना प्रदान करते हैं। अनिवार्य रूप से, आपकी सक्रियता आपको अधिक तैयार होने में सक्षम बनाएगी। जब आप सक्रिय होते हैं तो आप अपनी परिस्थितियों के बदलने से पहले सोचने और आगे बढ़ने में सक्षम होते हैं।

आप किसी भी स्थिति में अधिक सहज होंगे यदि आप सक्रिय हैं क्योंकि परिस्थितियों में बदलाव पर आपका अधिक नियंत्रण होगा।

इसके अतिरिक्त, आपके सामने जो भी कार्य है उसे पूरा करने के लिए सक्रियता के परिणामस्वरूप आपके पास अधिक समय होगा। जब आप सक्रिय होते हैं, तो आप पहले की तुलना में पहले शुरू करते हैं अन्यथा होता। यह न केवल आपको अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए अधिक समय देता है, यह आपको जल्दबाजी के बजाय अपने निर्णयों के बारे में व्यवस्थित होने का समय प्रदान करता है।

सक्रिय होने का अगला लाभ यह है कि यह आपको लचीला होने की अनुमति देता है। जब आप सक्रिय होते हैं तो आप बिना ज्यादा तनाव महसूस किए योजनाओं को बदलने की क्षमता रखते हैं। हम सभी ने ऐसे समय का अनुभव किया है जब हमने एक काम करने की योजना बनाई और अंतिम समय में एक और अधिक दबाव वाला मामला सामने आया। सक्रिय होने से आप पहले से अनुभव किए गए तनाव से अधिक तनाव जमा किए बिना दबाव वाले मामले में संक्रमण कर सकते हैं।

अंत में, एक सक्रिय दृष्टिकोण रखने से आप भविष्य के लिए बेहतर योजना बना सकते हैं। सक्रिय होकर आप भविष्य के लिए उचित योजना बना सकते हैं, यह जानते हुए कि यदि कोई अप्रत्याशित स्थिति उत्पन्न होती है तो आपके पास इसे संभालने के लिए समय और लचीलापन होगा।

तो कल, सक्रिय होने का प्रयास करें और उम्मीद है कि आप उन सभी सकारात्मक लाभों का अनुभव करेंगे जो एक सक्रिय मानसिकता प्रदान करती है।

आर्टिफिशियल स्वीटनर का बच्चों पर बुरा असर:इससे याददाश्त कमजोर हो रही, बड़े होने पर कई मानसिक विकारों की आशंका

चार्ल्स पटेल

आर्टिफिशियल स्वीटनर वैसे तो चीनी से कई गुना मीठी होती है, लेकिन इसके लगातार इस्तेमाल से स्वास्थ्य पर उल्टा असर पड़ता है। खासकर बच्चों में इसका असर ज्यादा दिखाई देता है। दरअसल, हाल ही में यूएससी डोर्नसाइफ की एक स्टडी में सामने आया कि आर्टिफिशियल स्वीटनर का इस्तेमाल करने से बच्चों की याददाश्त कमजोर हाेने का खतरा रहता है। साथ ही उनमें दूसरे मानसिक बदलाव भी देखने को मिलते हैं। किशोरावस्था में ज्यादा स्वीटनर लेने से इसका असर युवावस्था तक दिखाई देने लगता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि आर्टिफिशियल स्वीटनर सीधे पाचन तंत्र को प्रभावित करते हैं। इससे डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है।

चूहों पर हुई रिसर्च

प्रमुख शोधकर्ता प्रोफेसर लिंडसे शियर ने इसके लिए कुछ चूहों पर प्रयोग किया। उन्हें आर्टिफिशियल स्वीटनर पानी में मिलाकर दिया गया। कुछ चूहों को सामान्य पानी दिया गया। इसके बाद चूहों के वयस्क होने पर उनके ऊपर कुछ टेस्ट किए गए। इसमें सामने आया कि स्वीटनर का नियमित सेवन करने वाले चूहे अपना रास्ता भटक जाते हैं। उनकी याददाश्त कमजोर थी और कोई भी चीज वे जल्दी भूल जाते थे।

रिसर्चर्स ने पाया कि स्वीटनर का सेवन करने वाले चूहों में ग्लूकोज खून में अलग तरह से बहकर आंत तक पहुंच रहा था। स्टडी के सह-लेखक प्रो. स्कॉट कानोस्की कहते हैं कि बच्चों को कम उम्र से आर्टिफिशियल स्वीटनर का नियमित सेवन नहीं करना चाहिए। जहां तक हो सके, इससे बचना जरूरी है।

जीभ का तंत्रिका तंत्र गड़बड़ा जाता है, स्वाद भी नहीं आता

आर्टिफिशियल स्वीटनर का इस्तेमाल करने वाले लोगों के जीभ पर मीठा अनुभव करने वाले रिसेप्टर्स (तंत्रिका तंत्र) में गड़बड़ी पैदा कर देता है। इससे लोगों के मुंह में स्वाद आना बंद हो जाता है। इसके चलते मीठा स्वाद अनुभव करने के लिए चाय, कॉफी या अन्य चीज में ज्यादा चीनी का इस्तेमाल करना भी पड़ता है।

टेम्प्रेचर का सीधा असर दिमाग पर:ज्यादा गर्म या ठंडा मौसम नफरत बढ़ाता है, 12 से 21 डिग्री सेल्सियस में सबसे अच्छा मूड

रंजनबेन मसोया

तापमान का सीधा संबंध आपके दिमाग और व्यवहार से है। ज्यादा गर्मी या ठंड दोनों ही आपको गुस्से और नफरत से भर देती हैं। हम 12 से 21 डिग्री सेल्सियस में सबसे अच्छे मूड में होते हैं। इस समय गुस्सा भी कम आता है।

द लैंसेट प्लेनेटरी हेल्थ ने अमेरिका के 773 शहरों में रहने वाले लोगों के व्यवहार पर तापमान के हिसाब से अध्ययन किया। इसमें यह पता चला कि ज्यादा गर्म या ज्यादा ठंड होने पर इंसान में गुस्सा बढ़ता है और भौतिक रूप से गुस्सा या नफरत नहीं दिखा पाने पर वह ऑनलाइन जाहिर करता है।

मौसम में बदलाव हेट स्पीच की वजह

रिपोर्ट में कहा गया- अमेरिका के हीट वेव के दौरान ऑनलाइन हेट स्पीच या हेट टेक्सट के मामले बहुत ज्यादा बढ़ गए। शोधकर्ताओं का कहना है कि अमेरिका में 25% ब्लैक और 10% हिस्पैनिक लोग ऑनलाइन हेट स्पीच का सबसे ज्यादा शिकार होते हैं। मौसम में बदलाव की वजह से एलजीबीटीक्यू समुदाय के लोग चार गुना ज्यादा ऑनलाइन हेट स्पीच का शिकार हुए।

हेट स्पीच के 7 करोड़ 50 लाख ट्वीट्स

द लैंसेट प्लेनेटरी हेल्थ की टीम ने पोट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इम्पैक्ट रिसर्च के लियोनी वेंज के नेतृत्व में मई 2014 से मई 2020 तक के 6 साल में अमेरिका में किए गए 400 करोड़ ट्वीट्स की जांच की। इसके लिए इन्होंने ऑर्टीफिशियल इंटेलिजेंस से एलगोरिदम तैयार किया, जो हेट स्पीच को पहचानता था। इसमें 7 करोड़ 50 लाख ट्वीट हेट स्पीच के थे, यानी कुल ट्वीट के 2%।

टीम ने यह जांच की कि कौन से ट्वीट किस इलाके से किए गए और वहां उस दिन का मौसम कैसा था। जहां तापमान 15 से 18 डिग्री सेल्सियस था वहां हेट स्पीच ट्वीट थोड़े ज्यादा हुए। -3 से -5 डिग्री सेल्सियस के तापमान में रह रहे लोगों ने दूसरे से 12.5% ज्यादा हेट स्पीच वाले ट्वीट किए।

रेगीस्तानी इलाकों में 22% हेट स्पीच वाले ट्वीट

रेगीस्तानी इलाकों में जहां तापमान 42 से 45 डिग्री सेल्सियस था, हेट स्पीच वाले ट्वीट में 22% तक की बढ़ोतरी हुई। इस अध्ययन का हिस्सा रहे आंद्रेस लीवरमैन कहते हैं, अधिक औसत आय वाले वे इलाके जहां लोग एसी अफोर्ड कर सकते हैं, वहां भी जब तापमान बढ़ा तो लोगों ने गुस्से में हेट ट्वीट्स खूब किए। वे कहते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है कि हम मौसम के साथ सामंजस्यता नहीं बना पाते।

यूनाइटेड नेशन की हेट स्पीच की परिभाषा को आधार माना गया

हेट स्पीच के लिए शोधकर्ताओं की टीम ने यूनाइटेड नेशन की परिभाषा को मानक माना। इसके मुताबिक, किसी भी व्यक्ति या समूह पर उसके धर्म, नस्ल, राष्ट्रीयता, रंग, लिंग या और किसी पहचान के आधार पर किसी तरह की अपमानजनक टिप्पणी हेट स्पीच के तहत आती है। इसमें सबसे बड़ी मुश्किल उन टिप्पणियों का वर्गीकरण करने में आईं, जो एक समूह या समुदाय के लिए सम्मान या प्यार तो दूसरे के लिए अपमानजनक था।

डिजिटल डिटॉक्स के फायदे:रिसर्च में दावा-सोशल मीडिया से केवल एक हफ्ते का ब्रेक लें; यह डिप्रेशन, एंग्जाइटी के लक्षण कम करेगा

इंस्टाग्राम, फेसबुक, स्नैपचैट, ट्विटर, रेडिट, लिंक्डइन..। आज दुनिया में ज्यादातर लोग इनमें से किसी न किसी सोशल मीडिया ऐप का इस्तेमाल जरूर कर रहे हैं। इसके चलते वे स्ट्रेस, एंग्जाइटी और डिप्रेशन जैसी मानसिक बीमारियों का शिकार बनते जा रहे हैं। इन रोगों से बचने के लिए हेल्थ एक्सपर्ट्स डिजिटल डिटॉक्स के कॉन्सेप्ट को एक्सप्लोर कर रहे हैं।

हाल ही में इंग्लैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ बाथ के रिसर्चर्स ने एक शोध में बताया है कि सोशल मीडिया से मात्र एक हफ्ते का ब्रेक आपकी मेंटल हेल्थ में सुधार ला सकता है। यानी, अगर आप डिप्रेशन और एंग्जाइटी के लक्षणों से जूझ रहे हैं तो सिर्फ एक सप्ताह में ही इन्हें कम किया जा सकता है।

क्या है डिजिटल डिटॉक्स?

विशेषज्ञों के अनुसार जिस तरह लोगों को शराब और सिगरेट की लत लगती है, उसी तरह उन्हें वर्चुअल वर्ल्ड में भी रहने की आदत हो जाती है। वो चाहकर भी इससे बाहर नहीं निकल पाते। ऐसे में तकनीक के मायाजाल से खुद को दूर रखने के लिए कुछ समय के लिए डिजिटल छुट्टी पर जाने को ही 'डिजिटल डिटॉक्स' कहते हैं।

ऐसे हुई रिसर्च

शोधकर्ताओं ने इस रिसर्च में 18 से 72 साल की उम्र के 154 लोगों को शामिल किया। इन्हें दो ग्रुप्स में बांटा गया। जहां पहले ग्रुप को सोशल मीडिया से बैन किया गया, वहीं दूसरा ग्रुप रोज की तरह सोशल मीडिया का इस्तेमाल करता रहा। प्रतिभागियों ने एक हफ्ते में औसतन 8 घंटे सोशल मीडिया ऐप्स चलाए।

शोध के एक हफ्ते बाद प्रतिभागियों के 3 टेस्ट लिए गए। इनमें डिप्रेशन और एंग्जाइटी से जुड़े सवाल शामिल थे। नतीजों में पाया गया कि एक हफ्ते का ब्रेक लेने वाले ग्रुप की सेहत वारविक-एडिनबर्ग मेंटल वेलबीइंग स्केल पर 46 से बढ़कर 55.93 हो गई। वहीं, रोगी स्वास्थ्य प्रश्नावली-8 पर इनके डिप्रेशन का लेवल 7.46 से घटकर 4.84 पर आ गया। इस स्केल पर एंग्जाइटी 6.92 से 5.94 पर आ गई।

सोशल मीडिया से छोटा ब्रेक भी मददगार

रिसर्चर जेफ लैंबर्ट का कहना है कि सिर्फ एक हफ्ते में ही पहले ग्रुप के लोगों का मूड बेहतर हुआ और एंग्जाइटी के लक्षण कम हुए। इसका मतलब सोशल मीडिया से छोटे-छोटे ब्रेक्स भी मेंटल हेल्थ पर पॉजिटिव असर डाल सकते हैं।

डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन में सोशल मीडिया इस्तेमाल करने वालों की संख्या 2011 में 45% से बढ़कर 2021 में 71% जा पहुंची है। साथ ही, 16 से 44 की उम्र के 97% लोग सोशल मीडिया ऐप्स का यूज करते हैं। ऐप्स पर कंटेंट 'स्क्रोल' करना यूजर्स की सबसे कॉमन एक्टिविटी है। कुछ ऐसी ही स्टडीज पहले भी अमेरिका और ब्रिटेन में की जा चुकी हैं।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष: यह सप्ताह आधा सितंबर में और आधा अक्टूबर में है। अक्टूबर के तीन दिन आपके जीवन में बड़ा बदलाव लाने वाले हैं। किसी नई योजना पर काम प्रारंभ करेंगे। संबंधों का भरपूर लाभ उठाने का अवसर मिलेगा। संयम और सादगी से लोगों को अपनी अनुकूल कर लेंगे। किसी विशेष प्रयोजन से यात्राएं होंगी।

वृषभ: परेशानियों का अंत होने का समय आ गया है। सप्ताह का प्रारंभ ही किसी शुभ समाचार से होगा। पुराने सप्ताहों में की गई मेहनत का फल अब मिलने का समय आ गया है। किसी परिचित की मदद से बड़ी योजनाओं को साकार करेंगे। परिवार में कोई मांगलिक प्रसंग आएगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। आर्थिक दृष्टि से लाभ की स्थिति में रहेंगे।

मिथुन : आपके जीवन का महत्वपूर्ण सप्ताह है। बड़ी परियोजनाएं साकार होंगी। रूके काम पूरे होंगे। धर्म, कर्म, अध्यात्म की ओर अग्रसर होंगे। आर्थिक दृष्टि से समृद्ध बनेंगे। किसी विशेष कार्य से यात्राएं करनी होंगी। यंग प्रोफेशनल्स को बड़े जॉब ऑफर हो सकते हैं। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। जीवनसाथी के साथ तालमेल अच्छा रहेगा।

कर्क : सप्ताह अनुकूल रहेगा। नया काम प्रारंभ करने का सही समय है। कार्य में बदलाव करने का भी यही समय है लेकिन अपनी कार्यशैली में थोड़ा बदलाव लाना होगा। किसी से अनावश्यक विवाद टालें। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। आर्थिक समस्याओं का निदान होगा। नई संपत्ति खरीदने के योग बन रहे हैं। परिवार के साथ अच्छा वक्त बिताएंग।

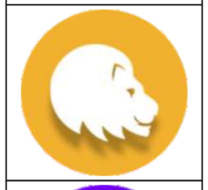
सिंह : तनावमुक्त सप्ताह रहेगा। पिछले सप्ताहों से चली आ रही परेशानियां समाप्त होंगी। धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में मन लगेगा। किसी धर्म स्थल की यात्रा करने का योग है। मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा प्राप्त रहेगी। आर्थिक स्थिति अनुकूल रहेगी। पैसों के कारण कोई काम अटकेगा नहीं। स्वास्थ्य गड़बड़ा सकता है।

कन्या : मानसिक और शारीरिक परेशानियां कम होंगी। परिवार में महत्व मिलेगा और आपके निर्णय को सराहा जाएगा। निजी संबंधों का लाभ प्रोफेशनल लाइफ में मिलेगा। नए स्टार्टअप के लिए वक्त बेहतर है। कोशिश करें किकिसी का दिल न दुखाएं। आर्थिक लाभ का समय है। निवेश से लाभ प्राप्त होगा। ㄱ

तुला : पैसों का आगमन भरपूर होगा। नया भवन या वाहन खरीदने के योग बन रहे हैं। नौकरीपेशा लोगा बदलाव कर सकते हैं। बिजनेस में उतार-चढ़ाव के बावजूद लाभ की स्थिति में रहेंगे। किसी प्रकार का तनाव न लें। सारे कार्य समय पर पूरे होंगे। परिवार के साथ सुखद यात्रा पर जाने का योग बनेगा। अनावश्यक विवाद में न पड़े।

वृश्चिक : इस सप्ताह आपको निजी संबंधों का भरपूर लाभ उठाने का मौका मिलेगा। इसके जरिए आप बड़ी योजनाओं को साकार करने में सफल हो सकते हैं। नौकरीपेशा को स्थानांतरण हो सकता है। बिजनेस में कोई नया काम जुड़ सकता है। पुराने मित्रों से भेंट होगी। परिवार में सामंजस्य रहेगा। जीवनसाथी से मनमुटाव दूर होगा।

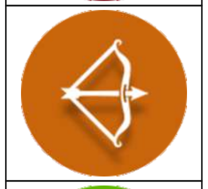
धनु : आर्थिक दृष्टि से सप्ताह पूर्ण शुभ है। अटके हुए काम पूरे हो जाएंगे। कई माध्यमों से पैसा आएगा जिसका समुचित निवेश करके भविष्य को सुरक्षित बना पाएंगे। कार्यस्थल पर सहकर्मियों से थोड़ा विवाद हो सकता है। नौकरी में बदलाव करना चाहें तो कर सकते हैं। बिजनेस में लाभ होगा। नई संपत्ति खरीदने की योजना बनेगी।

मकर : कार्यो को टालने की प्रवृत्ति छोड़नी होगी, वरना लोग आपसे दूर हो जाएंगे। मन को शांत रखते हुए कोई भी निर्णय लें। जल्दबाजी में किए गए कार्य हानि पहुंचाएंगे। पारिवारिक, सामाजिक जीवन में सम्मान बढ़ेगा। अपनी सारी जरूरतों को पूरी करने में कामयाब होंगे। आर्थिक लाभ प्राप्त होगा। मित्रों के सहयोग से कोई नया काम प्रारंभ करेंगे।

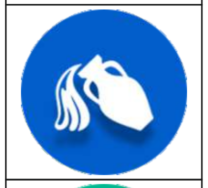
कुंभ : मौके का लाभ उठाने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र में बदलाव के साथ तरक्की भी मिलेगी। किसी विशेष कार्य के पूरा हो जाने से मन प्रसन्न रहेगा। मित्रों, परिवार के साथ सुखद समय बिताएंगे। पैसों की कमी दूर होगी और एक से अधिक माध्यमों से पैसा अर्जित करेंगे। नया काम प्रारंभ करने के लिए समय शुभ है।

मीन : मन को प्रसन्न रखने का पूरा प्रयास करें। जरा-जरा सी बातों पर क्रोध न करें। समय अनुकूल है इसलिए इसका भरपूर लाभ उठाने का प्रयास करें। नए प्रेम संबंध बनने वाले हैं। दांपत्य जीवन भी सुखद रहेगा। नए कार्य शुरू कर सकते हैं। नौकरी में बदलाव करना चाहें तो जरूर करें। कुछ समय धर्म अध्यात्म के कार्यो में लगाएं।

चुटकुले

गर्लफ्रेंड- कब से तुमसे पूछ रही हूँ कि, तुम्हारी लाइफ की सबसे बड़ी प्रॉब्लम क्या है?
बॉयफ्रेंड एकदम शांत था
गर्लफ्रेंड ने बोला- तुम तो बस मुझे ही देखे जा रहे हो.. कुछ बोल क्यों नहीं रहे

पिंकी: मैं एक ऐसे लड़के से शादी करूंगी जिसका कारोबार ऊंचा हो।
बंटी: तो फिर मुझसे कर लो, मेरी पहाड़ों पर चाय की दुकान है।

सोनू ने मोनू से कहा- यार कुछ लड़को के पास दिमाग नहीं होता
मोनू- ऐसा क्यों बोल रहा है भाई?
सोनू- अरे वो जेंट्स टॉयलेट में लड़की के नाम के साथ लिख कर आते है
मैं तुमसे प्यार करता हूं!
मोनू- तो क्या हुआ?
सोनू- भाई ये बता क्या लड़की जेंट्स टॉयलेट पढ़ने जाती है!

गृहमंत्री अमित शाह और जेपी नड्डा आज से असम दौरे पर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ शुक्रवार से असम के तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे। अधिकारियों ने कहा कि यहां दोनों नेता पार्टी के नए प्रदेश कार्यालय का उद्घाटन करेंगे। दोनों नेता शुक्रवार की शाम को गुवाहाटी पहुंचेंगे। नड्डा कुछ बैठकों में भाग लेने के बाद शनिवार की शाम को वहां से रवाना होंगे, जबकि शाह कई आधिकारिक कार्यक्रमों के बाद रविवार की शाम को राज्य से रवाना होंगे। उन्होंने बताया कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भाबेश कालिता ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, नड्डा और शाह शुक्रवार को शाम करीब चार बजे यहां पहुंचेंगे। इसके बाद वे पार्टी की कोर कमेटी की बैठक में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि शनिवार को दोनों नेता मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल की मौजूदगी में बशिष्ठ चरियाली इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर भाजपा के नए प्रदेश कार्यालय का उद्घाटन करेंगे।कालिता ने कहा, कार्यक्रम के बाद नेता खानपाड़ा में भाजपा बूथ कार्यकर्ताओं की एक रैली को संबोधित करेंगे। उन्होंने बताया कि हमें उम्मीद है कि इसमें 40 से 45 हजार बूथ कार्यकर्ता शामिल होंगे। भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख ने हालांकि उनके अन्य कार्यक्रमों का जिक्र नहीं किया, लेकिन आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि नड्डा शनिवार की शाम को असम से रवाना हो जाएंगे। एक सूत्र ने कहा कि शाह यहीं रहेंगे और शनिवार की शाम व रविवार की सुबह गुवाहाटी के असम प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज में होने वाली कई आधिकारिक बैठकों में भाग लेंगे।

कृषि पर हुई बैठक में शिवराज वर्चुअली हुए सम्मिलित

प्राकृतिक खेती को मिशन मोड में अपनाने से भावी पीढ़ी का होगा भला : शिवराज

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्राकृतिक खेती और डिजिटल कृषि के अभियान को मिशन मोड में लेने के लिए उनका आभार मानते हुए कहा है कि इस पवित्र लक्ष्य से हम आने वाली पीढ़ियों के लिए धरती को सुरक्षित स्वरूप में छोड़ पाएंगे। इन अभियानों से मानव जीवन के साथ जीव-जन्तुओं की सुरक्षा की व्यवस्था भी होगी। मध्यप्रदेश में प्राकृतिक खेती की दिशा में 2021 से कार्य आरंभ हुआ और अब तक 59 हजार से अधिक किसान इस अभियान से जुड़ चुके हैं। डिजिटल कृषि में क्राप सर्वे, रिफेरेंस रजिस्ट्री, फार्मा रजिस्ट्री और पीएम किसान डाटा बेस का उपयोग कर प्रदेश के किसानों के हित में कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री चौहान ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में नई दिल्ली में प्राकृतिक खेती और डिजिटल कृषि पर हुई बैठक में यह बात कही। मुख्यमंत्री चौहान बैठक में निवास कार्यालय से

वर्चुअली शामिल हुए। केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री मनसुख मांडविया उपस्थित थे। प्राकृतिक खेती और डिजिटल कृषि पर प्रस्तुतिकरण हुआ। बैठक में मणिपुर, असम, गोवा, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, त्रिपुरा, उत्तराखंड और उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री तथा हिमाचल प्रदेश, हरियाणा एवं अरुणाचल प्रदेश के कृषि मंत्रियों ने अपने-अपने राज्यों में प्राकृतिक खेती और डिजिटल कृषि क्षेत्र में संचालित गतिविधियों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में प्राकृतिक खेती अपनाने वाले किसानों को प्रोत्साहन और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए कृषि विभाग का अमला किसानों से लगातार संपर्क में है। किसान भाई सरलता से प्राकृतिक खेती कर पाएँ, इस उद्देश्य से किसान भाइयों को देशी गाय पालने के लिए प्रोत्साहन स्वरूप प्रतिमाह 900 रूपये उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कृषि पाठ्यक्रमों में स्नातक और स्नातकोत्तर कर रहे विद्यार्थियों को प्राकृतिक खेती से जोड़ा जा रहा है। डिजिटल कृषि के क्षेत्र में ई-उपार्जन और फसल बीमा योजना से कृषकों के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है। किसान को घर और खेत से ही कृषि उपज विक्रय की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्राकृतिक खेती और डिजिटल कृषि के क्षेत्र में विभिन्न राज्यों द्वारा किए जा रहे नवाचार एक दिशा में हों, इस उद्देश्य से आज की बैठक की गई है। प्राकृतिक खेती गाय पर आधारित परंपरागत खेती है, जो धरती के सभी तत्वों के संरक्षण पर आधारित है।

मूर्ति विसर्जन के दौरान मौत मामले में तृणमूल-भाजपा में जुबानी जंग

पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान मल नदी में अचानक बढ़े पानी के कारण तेज बहाव की चपेट में आकर आठ लोगों की मौत को लेकर बृहस्पतिवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच जुबानी जंग छिड़ गई। भाजपा ने प्रशासन पर सुरक्षा के पर्याप्त उपाय न करने का आरोप लगाया है। सत्तारूढ़ टीएमसी ने इन आरोपों को निराधार बताया है और भाजपा से अपील की है कि वह राज्य की प्रत्एक घटनाओं के राजनीतिकरण के प्रयास की गिद्ध राजनीति न करे। इस दर्दनाक हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए अनुग्रह राशि की घोषणा की। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री बनर्जी ने जान गंवाने वाले लोगों के परिवार वालों को दो-दो लाख रुपए, जबकि घायलों को भी 50-50 हजार रुपए दिए जाने की घोषणा की है। यह घटना बुधवार रात करीब साढ़े आठ बजे की है, जब विसर्जन समारोह में शामिल होने के लिए सैकड़ों की संख्या में लोग मल नदी के किनारे जमा हुए थे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक ट्वीट के मुताबिक मोदी ने कहा, पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में दुर्गा पूजा उत्सव के दौरान हुई दुर्घटना से दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं अपने प्रियजन को खोने वालों के साथ हैं। पीएमओ के अनुसार, जान गंवाने वाले लोगों के परिवार वालों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो-दो लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए दिए जाएंगे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ट्वीट किया कि जलपाईगुड़ी जिले की मल नदी में दुर्गा विसर्जन के दौरान अचानक नदी में पानी बढ़ने से आठ लोगों की मौत हो गई। मैं प्रार्थना करती हूं कि इस मुश्किल घड़ी में परिवार को यह दुख सहने की ताकत मिले। एक अधिकारी ने बताया कि मृतकों में पांच महिलाएं और 17 वर्षीय एक लड़का शामिल है। बनर्जी ने ट्वीट किया, हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिवार वालों को दो-दो लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि 13 लोगों का मल सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा, पुलिस, नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवकों तथा स्थानीय युवाओं ने करीब 70 लोगों को बचाया है। मैं उनकी निस्वार्थ सेवा की सराहना करती हूं। अब किसी के लापता होने की कोई खबर नहीं है।

अंडर-17 फीफा वर्ल्ड कप फुटबॉल में झारखंड की बेटियां करेंगी देश का प्रतिनिधित्व: सोरेन

आखिरकार मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की दूरदर्शिता और प्रयास रंग लाया। भारतीय फुटबॉल संघ ने अंतिम रूप से चयनित भारतीय टीम की घोषणा कर दी। टीम में झारखण्ड की अस्टम उरांव, नीतू लिंडा, अंजली मुंडा, अनिता कुमारी, पूर्णिमा कुमारी एवं सुधा अंकिता तिर्की को शामिल किया गया है। अस्टम उरांव और सुधा अंकिता तिर्की गुमला से हैं जबकि नीतू लिंडा, अनिता कुमारी एवं अंजली मुंडा रांची से हैं और पूर्णिमा कुमारी सिमडेगा से हैं। पहली बार फीफा 17 विश्व कप फुटबॉल टीम का बतौर कैप्टन नेतृत्व झारखण्ड की खिलाड़ी अस्टम उरांव करेंगी। वर्ष 2020 में लॉकडॉन के दौरान जब पूरा देश बंद था। उस दौरान 2021

में होने वाले फीफा अंडर-17 के लिए भारतीय टीम में चयनित झारखण्ड की खिलाड़ियों को गोवा से वापस झारखण्ड लौटना पड़ा था। अधिकतर खिलाडियों की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण तैयारी और खानपान में असर पड़ रहा था। मामला मुख्यमंत्री के संज्ञान में आने के बाद उन्होंने सबसे पहले फीफा प्रतियोगिता के लिए चयनित राज्य की खिलाडियों की ट्रेनिंग की व्यवस्था का निर्देश खेल विभाग को दिया। जिसके बाद सभी खिलाड़ियों को रांची लाकर मेडिकल सुविधा दिला कर राजकीय अतिथि शाला में रखा गया। राष्ट्रीय टीम के मेन्यू के अनुरूप उनके लिए खाने की व्यवस्था और कैंप हेतु मोराबादी फुटबॉल स्टेडियम में ग्राउंड एवं दो कोच की व्यवस्था की गई। इसके बाद फ़ीफ़ा वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम के विश्वस्तरीय प्रशिक्षण की सुविधा जमशेदपुर में मुख्यमंत्री के निर्देश पर सुनिश्चित की गई। जहां 10 माह तक भारतीय टीम ने वर्ल्ड कप के लिए प्रशिक्षण प्राप्त किया था। उन्होंने बताया कि टीम के लिए रहने की व्यवस्था, ग्राउन्ड, स्विमिंग पूल, जिम सहित यात्रा हेतु बस की सुविधा पूरे 10 माह के लिए सुनिश्चित की गई थी। भारतीय टीम में शामिल झारखण्ड की उन्हीं बेटियों ने आज राज्य का मान बढ़ाया। ये बेटियां झारखण्ड का गौरव हैं। इन बेटियों ने संक्रमण के दौर में जबरदस्त साहस और धैर्य दिखाया। अब ये देश का प्रतिनिधित्व करेंगी।

ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने से तीन की मौत, 13 गंभीर रूप से घायल

रीवा।मध्य प्रदेश के रीवा जिले में बृहस्पतिवार तड़के एक ट्रैक्टर ट्रॉली के पलट जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसा उस समय हुआ जब ए लोग देवी दुर्गा की प्रतिमा विसर्जित कर लौट रहे थे। पुलिस के उप मंडल अधिकारी नवीन दुबे ने पीटीआई-भाषा को बताया, घायलों में से 13 की हालत गंभीर है और उनका इलाज संजय गांधी स्मृति अस्पताल में किया जा रहा है। शेष घायलों को मऊगंज के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना जिला मुख्यालय से करीब 70 किलोमीटर दूर सुमेदा गांव में हुई और हादसे के समय ट्रैक्टर-ट्रॉली में लगभग 40 लोग सवार थे। दुबे ने बताया कि मृतकों की पहचान राजेश कुशवाहा अश्विनी पटेल (17) और राम उजागर (70) के तौर पर हुई है।

हलवद स्टेशन पर कुछ ट्रेनों को प्रायोगिक आधार पर अतिरिक्त ठहराव दिया गया

यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 22903/22904 एवं ट्रेन संख्या 20907 को छह महीने के लिए प्रायोगिक आधार पर हलवद स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है 7 अक्टूबर 2022 से बांद्रा टर्मिनस से तथा 8 अक्टूबर 2022 से भुज से छूटने वाली ट्रेन संख्या 22903/22904 बांद्रा टर्मिनस-भुज एसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस को हलवद स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। उन्होंने बताया कि तदनुसार, ट्रेन संख्या 22903 बांद्रा टर्मिनस-भुज एसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस 08.53 बजे हलवद स्टेशन पहुंचेगी और

08.55 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 22904 भुज-बांद्रा टर्मिनस एसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस 09.10 बजे हलवद स्टेशन पहुंचेगी और 19.12 बजे प्रस्थान करेगी। उन्होंने बताया कि 8 अक्टूबर 2022 से दादर से छूटने वाली ट्रेन संख्या 20907 दादर-भुज सयाजीनगरी एक्सप्रेस को हलवद स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। तदनुसार, ट्रेन संख्या 20907 दादर-भुज एक्सप्रेस 02.16 बजे हलवद स्टेशन पहुंचेगी और 02.18 बजे प्रस्थान करेगी। ट्रेनों के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया **www.enquiry.indianrail.go** पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

वेरावल-बांद्रा सौराष्ट्र जनता एक्सप्रेस का साणंद स्टेशन पर ठहराव

भावनगर। पश्चिम रेलवे द्वारा ट्रेन संख्या 19218 वेरावल-बांद्रा टर्मिनस सौराष्ट्र जनता एक्सप्रेस का तत्काल प्रभाव से अगले 6 महीनों के लिए प्रायोगिक तौर पर साणंद स्टेशन पर ठहराव प्रदान किया गया है। भावनगर डिविजन के सीनियर डीसीएम माशूक अहमद के अनुसार इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है ट्रेन संख्या 19218 वेरावल-बांद्रा सौराष्ट्र जनता एक्सप्रेस का साणंद स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान का समय 19.10/19.12 रहेगा। ट्रेनों के ठहराव, समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया **www.enquiry.indianrail.gov.in** पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

अदालत ने पूर्व मंत्री चटर्जी की न्यायिक हिरासत 19 अक्टूबर तक बढ़ाई

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई)की विशेष अदालत ने पश्चिम बंगाल स्कूली सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) भर्ती घोटाले से जुड़े मामले में गिरफ्तार पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी की न्यायिक हिरासत बुधवार को 19 अक्टूबर तक के लिए बढ़ा दी। इस मामले की जांच सीबीआई कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश पर कर रही है। अदालत ने सीबीआई के अनुरोध पर पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (डब्ल्यूबीबीएसई) के पूर्व अध्यक्ष कल्याणमय गांगुली, डब्ल्यूबीएसएससी के पूर्व सचिव अशोक साहा और पूर्व सलाहकार

एस.पी.सिन्हा की भी न्यायिक हिरासत 19 अक्टूबर तक के लिए बढ़ा दी। चटर्जी और उनकी कथित करीबी अर्पिता मुखर्जी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 23 जुलाई को गिरफ्तार किया था। ईडी, डब्ल्यूबीएसएससी भर्ती घोटाले में पैसों की लेनदेन की जांच कर रही है। जांच के दौरान मुखर्जी के कोलकाता स्थित फ्लैट पर छापेमारी कर 49.80 करोड़ रुपए की नकदी, सोना, गहने और संपत्ति के दस्तावेज बरामद किए गए थे। ईडी ने आरोप लगाया है कि चटर्जी और मुखर्जी राज्य एसएससी की अनुशंसा पर गैर कानूनी तरीके से सरकार प्रयोजित और सहायता प्राप्त स्कूलों में शैक्षणिक पद देने की कथित आपराधिक साजिश में संलिप्त थे और उन्होंने इससे एकत्रित बड़ी राशि का धन शोधन किया। ईडी ने पीएमएलए अदालत में दाखिल आरोप पत्र में बताया कि उसने नकदी सहित 100 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति जब्त की है। सीबीआई ले 16 सितंबर को पूछताछ के लिए चटर्जी की हिरासत प्राप्त की थी। चटर्जी को अदालत ने 21 सितंबर को न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।

पश्चिम रेलवे पर उमंग और उत्साह के साथ मनाया गया 'स्वच्छता पखवाड़ा'

16 से 30 सितंबर 2022 तक भारतीय रेलवे में मनाए गए स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत पश्चिम रेलवे द्वारा स्वच्छता जागरूकता, स्वच्छ स्टेशन, स्वच्छ रेलगाड़ी, स्वच्छ ट्रैक, स्वच्छ डिपो स्वच्छ रेलवे कालोनियों, अस्पतालों, स्वच्छ प्रसाधन, स्वच्छ नीर, स्वच्छ पेंट्री कारों के साथ-साथ नो प्लास्टिक पर जोर जैसे प्रत्येक दिन अलग-अलग थीम पर विभिन्न स्वच्छता गतिविधियों पर आयोजित की गईं। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा के अनुसार स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान, न केवल समग्र स्टेशन

परिसरों की नियमित सफाई पर ध्यान दिया गया, बल्कि सामूहिक संपर्क क्षेत्रों जैसे पे एंड यूज़ शौचालयों, टिकटिंग क्षेत्र, स्टेशनों का प्रवेश/निकास, एफओबी के नीचे, मलबे को हटाना, प्लेटफार्मों, ट्रैकों, नालियों, परिसंचरण क्षेत्रों आदि पर सफाई आदि पर भी विशेष ध्यान दिया गया। स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए लगभग 468 पोस्टर और पर्यावरण अनुकूल बैनर सभी स्टेशनों पर लगाए गए। सभी स्टेशनों पर जन उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से जागरूकता नारों के साथ स्वच्छता पखवाड़ा संदेशों को प्रसारित किया गया। सिंगल यूज प्लास्टिक के उन्मूलन के लिए जागरूकता बढ़ाने तथा प्लेटफॉर्म और स्टेशन क्षेत्रों में उपलब्ध कराए गए अलग-अलग कूड़ेदानों में गीला और सूखा कचरा अलग-अलग डालने के लिए जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न सार्वजनिक अभियान चलाए गए।

योजना-लाभ *मुख्यमंत्री ने गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों के खाते में 8.13 करोड़ का किया ऑनलाइन अंतरण*

किसानों के खाते में आएगी लगभग 1800 करोड़ रुपए की राशि

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि दीपावली के पहले 17 अक्टूबर को किसानों को राजीव गांधी किसान न्याय योजना की तीसरी किस्त के साथ राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना और गोधन न्याय योजना की राशि का भुगतान हितग्राहियों को किया जाएगा। किसानों, भूमिहीन कृषि मजदूरों और गोबर विक्रेताओं को लगभग 1800 करोड़ रूपए से अधिक की राशि का भुगतान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा दीपावली हम सब के लिए बड़ा त्यौहार है। दीपावली के पहले राशि मिलने से हम सब धूमधाम से दीपावली मनाएंगे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 17 अक्टूबर को राजीव गांधी किसान न्याय योजना, राजीव गांधी

ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना और गोधन न्याय योजना की राशि का करेंगे भुगतान मुख्यमंत्री बघेल ने आज यहां अपने निवास कार्यालय में गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों के खाते में 8 करोड़ 13 लाख रूपए की राशि का ऑनलाइन अंतरण करते हुए यह जानकारी दी। इस राशि में से गोबर विक्रेता पशुपालकों, ग्रामीणों को 5.34 करोड़ रुपए की राशि, गौठान समितियों को 1.69 करोड़ और महिला स्व सहायता समूहों को 1.11 करोड़ रूपए की लाभांश राशि वितरित की गई। गोबर विक्रेताओं को आज भुगतान की गई राशि को मिलाकर गोबर खरीदी के एवज में अब तक 170.34 करोड़ रूपए का भुगतान किया जा चुका है। इस अवसर पर गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे, नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया, मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, कृषि विभाग के विशेष सचिव डॉ. अय्याज एफ. तम्बोली, मिशन संचालक राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अवनीश शरण, कृषि विभाग के उप सचिव तूलिका प्रजापति भी उपस्थित थीं। किसानों से पैरादान की अपील मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कार्यक्रम में किसानों से पैरादान की अपील करते हुए कहा कि धान की कटाई शुरू होने वाली है। किसान पैरा न जलाएं, गौठानों में मवेशियों के चारे के लिए पैरादान करें। पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था होने से वे खेत में नही जाएंगे। इससे खरीफ फसल के साथ-साथ उन्हारी फसल भी बचेगी। मुख्यमंत्री ने कृषि विभाग के अधिकारियों से उन्हारी फसलों, सरसों, तिवरा, अलसी आदि के बीज की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी एक नवम्बर से शुरू की जाएगी। अधिकारियों को बारदाने सहित धान खरीदी केन्द्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दे दिए गए हैं, जिससे किसानों को धान बेचने में असुविधा न हो।

हिंदी संकल्प गीत के लिए मशहूर संगीतकार सरोज सुमन को राजभाषा सेवा सम्मान

पश्चिम रेलवे के प्रधान कार्यालय में राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी के प्रचार प्रसार को बढ़ाने के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा एक हिंदी संकल्प गीत तैयार करवाया गया था। इस गीत को लिखा था शेखर अस्तित्व ने और संगीतबद्ध किया था सरोज सुमन ने। गीत को स्वर मशहूर गायिका साधना सरगम, तोची रैना और सरोज सुमन ने दिया। गीत का निर्देशन अनुपम मंगलम ने किया है। हाल ही में पश्चिम रेलवे के चर्चगेट स्थित गोडबोले सभागृह में आयोजित राजभाषा समारोह में इस हिंदी संकल्प गीत के लिए सभी कलाकारों को सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर मशहूर संगीतकार सरोज सुमन को भी राजभाषा सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है

कि यह संकल्प गीत देश-विदेश में प्रसारित हुआ तथा लंदन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में सरोज सुमन को इस गीत के उपलक्ष्य में सम्मान के लिए बुलाया गया।

किशोर कुमार के पुराने बंगले में कोहली का रेस्टोरेंट! वीडियो में स्टार बैटर से जानें इसकी खासियत और नाम

मुंबई। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने पिछले कुछ दिनों में अपनी फॉर्म फिर से हासिल कर ली है। एशिया कप में शतक लगाने के बाद ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टी-20 सीरीज में भी उनका बल्ला खूब चला। कोहली की फैन फॉलोइंग दुनिया भर में है। कोहली ने सिर्फ क्रिकेट में ही नहीं बल्कि फुटबॉल में भी इन्वेस्ट कर रखा है। उनकी एक स्पोर्ट्स वियरिंग कंपनी भी है। इसके अलावा अब कोहली एक रेस्टोरेंट के भी मालिक बन गए हैं। मुंबई में खुलने वाले इस रेस्टोरेंट का नाम 'वन8 कम्यून' है। कोहली के 'वन8 कम्यून' रेस्टोरेंट का एक ब्रांच दिल्ली में भी है। यूट्यूब पर एक वीडियो में कोहली ने जुहू में स्थित अपने नए रेस्टोरेंट का फैन टूर कराया। उनके इस प्रोजेक्ट की सबसे खास बात यह है कि यह रेस्टोरेंट दिग्गज गायक किशोर कुमार के एक पुराने बंगले के अंदर खोला गया है। किशोर कुमार के इस बंगले का नाम 'गौरी कुंज' है। कोहली ने कहा- मैं इसमें विश्वास करता हूं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि जो कुछ भी होता है वह एक संयोग है। उनके गीतों ने वास्तव में मुझे व्यक्तिगत रूप से छुआ है।

थाइलैंड की पाकिस्तान पर ऐतिहासिक जीत के बाद, भारत नंबर 1 पर विराजमान

नई दिल्ली। विमेंस एशिया कप 2022 के 10वें मुकाबले में थाइलैंड ने पाकिस्तान को हराकर प्वाइंट टेबल में अपना खाता खोल लिया है। इस ऐतिहासिक जीत के बाद यह टीम 2 अंकों के साथ प्वाइंट्स टेबल में 5वें स्थान पर पहुंच गई है।

थाइलैंड और बांग्लादेश ने अभी तक इस टूनार्मेंट में 1-1 मुकाबला जीता है, मगर बेहतर नेट रन रेट होने की वजह से बांग्लादेश थाइलैंड से ऊपर है। वहीं बात भारत की करें तो 3 में से 3 मैच जीतकर हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम इंडिया 6 अंकों के साथ शीर्ष पर है। भारत का नेट रन रेट +3.860 का है जो अन्य 6 टीमों से सबसे बेहतर है। टीम इंडिया का अगला मुकाबला चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान से 7 अक्टूबर को है। पाकिस्तान की टीम की करें तो इस मैच को जीतकर उनके पास भारत की बराबरी करने का शानदार मौका था, मगर बिस्माह मारूफ की टीम ऐसा करने में नाकाम रही। तीन मैचों में पाकिस्तान की यह पहली हार है और वह 4 अंकों के साथ प्वाइंट्स टेबल में भारत के बाद दूसरे पायदान पर है। तीसरे नंबर पर श्रीलंका मौजूद है। विमेंस एशिया कप में मलेशिया ही एकमात्र टीम है जिसका अभी तक खाता नहीं खुला है। वह 3 में से तीन मैच हारकर प्वाइंट्स टेबल में सबसे नीचे है। वहीं यूएई तीन में से 1 मैच जीतकर छठवें पायदान पर है। पाकिस्तान बनाम थाइलैंड मुकाबले की करें तो टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने थाइलैंड के सामने जीत के लिए 117 रनों का लक्ष्य रखा था, इस स्कोर को थाइलैंड ने 4 विकेट और 1 गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। थाइलैंड की इस जीत की हीरो सलामी बैटर नत्थाकन चैंथम रहीं, जिन्होंने 51 गेंदों पर 5 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 61 रनों की सर्वाधिक पारी खेली।

वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर ने टी-20 मैच में ठोका दोहरा शतक, 22 छक्कों के साथ बनाए 205 रन

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर रहकेम कॉर्नवाल ने अटलांटा ओपन नामक एक अमेरिकी टी-20 टूर्नामेंट में दोहरा शतक जड़कर सुर्खिया बटोरने का काम किया है। कॉर्नवाल ने 77 गेंदों में 205 रनों की अविश्वसनीय पारी खेलकर गुरुवार को सुर्खियां बटोरीं। कैरेबियन प्रीमियर लीग में एक सलामी बल्लेबाज के रूप में अपनी बिग हिटिंग के लिए जाने वाले रहकेम कॉर्नवाल ने टी-20 मैच में दोहरा शतक जड़ा है, जिसमें 22 छक्के और 17 चौके शामिल हैं। फेमस स्टैटिशियन मोहनदास मेनन ने गुरुवार को ऑलराउंडर रहकेम कॉर्नवाल द्वारा खेली गई अद्भुत पारी के बारे में बात करते हुए एक ट्वीट किया और उन्होंने बताया कि कॉर्नवाल ने अपनी टीम अटलांटा फायर के लिए खेलते हुए पूरी पारी में 266.23 की स्ट्राइक-रेट बनाए रखी। उन्होंने लिखा, अटलांटा फायर के लिए खेलते हुए वेस्टइंडीज के रहकेम कॉर्नवाल ने सिर्फ 77 गेंदों में नाबाद 205 रनों की पारी खेली, जिसमें 22 छक्के और 17 चौके शामिल थे। अटलांटा ओपन के रूप में जानी जाने वाला यह एक अमेरिकी टी-20 प्रतियोगिता है। विजेता टीम को 75 हजार डॉलर की पुरस्कार राशि दी जाएगी।

उमरान मलिक को होना चाहिए था टी-20 वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा, ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ब्रेट ली हैं हैरान

नई दिल्ली। महान ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों में टी-20 विश्व कप के लिए उमरान मलिक पर विचार नहीं करने के भारत के फैसले से वे हैरान हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज को तेज और उछाल वाली पिचों पर उतरते हुए देखना अच्छा लगता। हालांकि, रिपोर्ट्स की मानें तो उमरान मलिक टीम इंडिया के साथ एक नेट बॉलर के रूप में ट्रेवल करने वाले हैं। ब्रेट ली ने कहा कि 16 अक्टूबर से शुरू होने वाले आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप 2022 में दो प्रमुख टीमों द्वारा दो बड़े खिलाड़ियों का चयन नहीं होना उनके लिए हैरानी भरा है। वे भारत के उमरान मलिक का चयन और ऑस्ट्रेलियाई टीम में कैमरन ग्रीन का चयन नहीं होने से नाखुश हैं। ग्रीन पिछली कुछ सीरीजों में अच्छी लय में नजर आए हैं, लेकिन उमरान ने इंटरनेशनल लेवल पर छाप नहीं छोड़ी थी। उमरान मलिक ने जून 2022 में भारत के आयरलैंड दौरे के दौरान आईपीएल 2022 में अच्छे प्रदर्शन के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज ने टूर्नामेंट में 22 विकेट चटकाए थे और SRH में मेंटर डेल स्टेन के तहत काम करते हुए बेहतर नियंत्रण दिखाया था।

पाकिस्तान को हराकर थाइलैंड ने किया बड़ा उलटफेर , मैच जीतकर रचा इतिहास

नई दिल्ली। विमेंस एशिया का 2022 के 10वें मुकाबले में थाइलैंड ने पाकिस्तान को हराकर बड़ा उलटफेर किया है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने थाइलैंड के सामने जीत के लिए 117 रनों का लक्ष्य रखा था, इस स्कोर को थाइलैंड ने 4 विकेट और 1 गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। इस जीत के साथ थाइलैंड ने प्वाइंट्स टेबल में भी अपना खाता खोला है। पाकिस्तान का अगला मुकाबला 7 अक्टूबर को भारत के खिलाफ है और इस महामुकाबले से पहले यह हार पाकिस्तान की खिलाड़ियों के मनोबल पर जरूर असर डालेगी। थाइलैंड की इस जीत की हीरो सलामी बैटर नत्थाकन चैंथम रहीं, जिन्होंने 51 गेंदों पर 5 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 61 रनों की सर्वाधिक पारी खेली। चैंथम के अलावा थाइलैंड की कोई भी बैटर 20 रन का आंकड़ा पार नहीं कर पाई। नन्नापत कोंचरोएंकाई ने 13 तो कप्तान नरुमोल चायवाई ने 17 रनों की पारी खेली।

नीतिश राणा की कप्तानी में खेलेंगे इशांत शर्मा, दिल्ली की टीम में हुआ चयन

नई दिल्ली। सीनियर तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा को 11 अक्टूबर से शुरू हो रही सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2022 के लिए दिल्ली टीम में शामिल किया गया है। घरेलू एक्शन में वापसी के साथ यह वरिष्ठ तेज गेंदबाज अपने अंतर्राष्ट्रीय कैरियर को फिर से शुरू करने के लिए एक और प्रयास कर रहा है।

ईशांत शर्मा ने आखिरी बार प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला था जब उन्होंने 2022 में फरवरी-मार्च में रणजी ट्रॉफी में दिल्ली की ओर रुख किया था। इस तेज गेंदबाज ने दिल्ली के लिए पूरे अभियान में भाग नहीं लिया। इशांत शर्मा आखिरी बार नवंबर 2021 में भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेले थे और 2016 के बाद से उन्होंने भारत के लिए लिमिटेड ओवर क्रिकेट नहीं खेला है। दिल्ली की टीम का नेतृत्व कोलकाता नाइट राइडर्स के स्टार नीतीश राणा करेंगे और इसमें कई आईपीएल सितारे हैं। टीम में ऋतिक शौकीन (मुंबई इंडियंस), नवदीप सैनी (राजस्थान रॉयल्स), अनुज रावत (आरसीबी), सिमरजीत सिंह (सीएसके), आयुष बडोनी और मयंक यादव (लखनऊ सुपर जायंट्स) और ललित यादव (दिल्ली कैपिटल्स) होंगे।

मैक्सिको में खूनी तांडव: मैक्सिको सिटी के मेयर की भी मौत

बंदूकधारियों ने की अंधाधुंध फायरिंग मेयर समेत 18 लोगों की दर्दनाक मौत

मैक्सिको। अमेरिका के पड़ोसी देश मैक्सिको में बंदूकधारियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर 18 लोगों को मौत के घाट उतार दिया है। इस वारदात में मैक्सिको सिटी के मेयर की भी मौत हुई है। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि संगठित अपराध से जुड़े बंदूकधारियों ने दक्षिण पश्चिम मेक्सिको के सैन मिगुएल तोतोलापन में सिटी हॉल और पास के एक घर पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं जिसमें कम से कम 18 लोग मारे गए और तीन अन्य घायल हो गए। घटना की कुछ तस्वीरें भी सामने आई हैं। जिनमें सिटी हॉल की दिवारों पर गोलियों के सैकड़ों निशान नजर आ रहे हैं। हॉल की खिड़कियों के कांच भी टूटे हुए हैं।

मेयर, पूर्व मेयर समेत कई पुलिस अधिकारियों की मौतः सोशल मीडिया पर साझा किए गए फुटेज में एक खूनी दृश्य दिखाई दे रहा है जिसमें कम से कम दस लोगों के शव एक दूसरे के करीब पड़े हुए हैं। पीड़ितों की सही संख्या के बारे में परस्पर विरोधी रिपोर्टें थीं, लेकिन राज्य के अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने पुष्टि की कि 18 लोग मृत पाए गए हैं। मारे गए लोगों में मेयर कॉनराडो मेंडोजा, उनके पिता और पूर्व मेयर जुआन मेंडोजा और शहर के अन्य पुलिस अधिकारी शामिल हैं।

बंदूकधारी भागने में कामयाब रहे- हमले के बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई भी कि लेकिन बंदूकधारी भागने में कामयाब रहे। अब चप्पे-चप्पे पर नाकेबंदी कर आरोपियों को पकड़ने की कोशिश की जा रही है, हालांकि अबतक एक की भी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पुलिस इसे सुनियोजित साजिश मान रही है।

आपराधिक समूह लॉस टकीलेरोस ने ली जिम्मेदारी-आपराधिक समूह लॉस टकीलेरोस ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में हमले की जिम्मेदारी ली, हालांकि स्थानीय अधिकारियों की ओर से तत्काल कोई पुष्टि नहीं की गई थी। पीआरडी राजनीतिक दल, जिससे कॉनराडो मेंडोजा थे, ने हमले के तुरंत बाद एक बयान में मेयर की मौत की पुष्टि की। बयान में कहा गया है कि पार्टी हमले की निंदा करती है, न्याय की मांग करती है और हिंसा और दण्ड से मुक्ति की मांग करती है।

विदेश मंत्री बोले, यूक्रेन संकट के समाधान के लिए भारत मदद करने को तैयार

ऑकलैंड। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत यूक्रेन संकट के समाधान के लिए जो कुछ भी कर सकता है, वह करने को तैयार है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे भारत ने यूक्रेन में जपोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र की सुरक्षा को लेकर मास्को पर दबाव डाला जब दोनों देश इस अत्यधिक संवेदनशील परमाणु केंद्र के पास लड़ाई के लिए आमने-सामने आ गए थे। विदेश मंत्री के रूप में न्यूजीलैंड की अपनी पहली यात्रा पर आए जयशंकर ने ऑकलैंड बिजनेस चैंबर के सीईओ साइमन ब्रिजेस के साथ लंबी बातचीत के दौरान कहा कि जब यूक्रेन की बात आती है तो यह स्वाभाविक है कि विभिन्न देश और विभिन्न क्षेत्र थोड़ी अलग प्रतिक्रिया दें। उन्होंने कहा कि लोग इसे अपने दृष्टिकोण, अपनी तात्कालिक रुचि, ऐतिहासिक अनुभव, अपनी असुरक्षा के नजरिए से देखेंगे। मेरे लिए दुनिया की विविधताएं जो काफी स्पष्ट हैं, स्वाभाविक रूप से एक अलग प्रतिक्रिया का कारण बनेंगी और मैं अन्य देशों की स्थिति का अनादर नहीं करूंगा। जयशंकर ने कहा कि इस स्थिति में मैं देखूंगा कि भारत क्या कर सकता है। जो स्पष्ट रूप से भारतीय हित में होगा, दुनिया के सर्वोत्तम हित में भी होगा। जयशंकर ने कहा, जब मैं संयुक्त राष्ट्र में था, उस समय सबसे बड़ी चिंता जपोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र की सुरक्षा थी क्योंकि इसके बहुत निकट लड़ाई चल रही थी। उस मुद्दे पर रूसियों पर दबाव बनाने के लिए हमसे अनुरोध किया गया था, जो हमने किया। विभिन्न समय पर अन्य चिंताएं भी रही हैं, या तो विभिन्न देशों ने हमारे साथ मामला उठाया है या संयुक्त राष्ट्र ने हमारे साथ उठाया है। मुझे लगता है कि इस समय जो भी हो हम कर सकते हैं, हम करने को तैयार होंगे। उन्होंने कहा, अगर हम कोई रुख अपनाते हैं और अपने विचार रखते हैं, तो मुझे नहीं लगता कि देश उसकी अवहेलना करेंगे। वह प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) और राष्ट्रपति (व्लादिमीर) पुतिन के बीच बैठक का जिक्र कर रहे थे। 16 सितंबर को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) से इतर अस्ताना में दोनों शीर्ष नेताओं के बीच बैठक हुई थी।

वेबसीरीज में ट्रांसजेंडर का किरदार अदा करेंगी सुष्मिता सेन

वेब सीरीज आर्या में दमदार परफॉर्मेंस के बाद एक बार फिर सुष्मिता सेन ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर छाने के लिए कमर कस ली है। सुष्मिता सेन जल्द ही अपनी नई वेबसीरीज के लिए शूटिंग शुरू करने वाली हैं। अपनी अपकमिंग वेबसीरीज में सुष्मिता एक ट्रांसजेंडर के किरदार में नजर आएंगी। ऐसा पहली बार होगा जब सुष्मिता किसी ट्रांसजेंडर के रोल को अदा करती नजर आएंगी। सुष्मिता सेन को ट्रांसजेंडर के अवतार में देखना उनके फैन्स के लिए खास रहने वाला है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सुष्मिता सेन जानी मानी ट्रांसजेंडर गौरी सावंत की जिंदगी को अपनी अदायगी से दुनिया के सामने रखेंगी। ट्रांसजेंडर समुदाय के हक में आवाज उठाने वालीं गौरी की जिंदगी काफी प्रेरणादायक है। तमाम मुश्किलों के बाद भी उन्होंने ना सिर्फ खुद की एक पहचान बनाई बल्कि ट्रांसजेंडर समाज के हक के लिए भी बहुत काम किया। आपको बता दें ट्रांसजेंडर गौरी ने एक गायत्री नाम की एक बच्ची को गोद भी लिया है और मां के रूप में उसका पालन-पोषण करती हैं। खबरों के मुताबिक इस वेबसीरीज में गौरी और उनकी गोद ली बच्ची के रिश्ते को भी दिखाया जाएगा।

खबरों के मुताबिक जब सुष्मिता को इस सीरीज के लिए अप्रोच किया गया तो उन्हें ट्रांसजेंडर गौरी का किरदार बहुत पसंद आया। जानकारी के लिए बता दें गौरी ने ट्रांसजेंडर कार्यकर्ता के रूप में साल 2000 में 'सखी चार चौघी ट्रस्ट' की शुरुआत की थी। उनकी ये संस्था सेफ सेक्स के लिए जागरुकता फैलाने और ट्रांसजेंडर समाज की समस्याओं से लड़ने और उन्हें प्रोत्साहन देने की दिशा में काम करता है।

जानकारी के मुताबिक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली इस वेबसीरीज को 6 एपिसोड में दिखाया जाएगा। कुछ दिन पहले खबरें आई थीं कि सुष्मिता जल्द ही अपनी हिट वेबसीरीज आर्या की तीसरी कड़ी पर काम शुरू करने जा रही हैं। लेकिन अब उनके ट्रांसजेंडर बेस्ड सीरीज को साइन करने की खबरे हैं। रिपोर्ट की मानें तो गौरी सावंत पर बेस्ड इस वेबसीरीज की शूटिंग नवंबर महीने में शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है। इस वेबसीरीज को कंपलीट करने के बाद फिर सुष्मिता आर्या 3 पर काम शुरू करेंगी।

फीफा वर्ल्ड कप एंथम 'लाइट द स्काई' में नोरा फतेही का दिखा जलवा

अभिनेत्री व डांसर नोरा फतेहीअक्सर खबरों में रहती हैं। एक ओर जहां नोरा के डांस वीडियोज सोशल मीडिया पर खूब वायरल होते हैं तो दूसरी ओर उनके सिजलिंग अंदाज पर भी फैन्स का दिल अटका रहता है। इस बीच नोरा ने कुछ ऐसा किया है, जिसके चलते देश गौरवान्वित हो गया है। नोरा फतेही फीफा वर्ल्ड कप में परफार्म करेंगी। नोरा फतेही फीफा विश्व कप में परफॉर्म करने वाली हैं और वह दिसंबर में परफॉर्मेंस देंगी। नोरा फतेही ने इंस्टाग्राम पर फीफा वर्ल्ड कप का ऑफिशिल एंथम शेयर किया है, जिसे फैन्स और सोशल मीडिया यूजर्स पसंद कर रहे हैं। ये वीडियो फीफा वर्ल्ड कप के एंथम 'लाइट द स्काई' का टीजर है, जहां नोरा फतेही अपना जलवा बिखेरती नजर आ रही हैं। वहीं वीडियो में नोरा के साथ में कुछ और इंटरनेशनल सेलेब्स भी नजर आ रहे हैं। नोरा ने बताया है कि 7 अक्टूबर को ये एंथम रिलीज होगा।

रेडऑन ने तैयार किया गाना

बता दें कि जेनिफर लोपेज, शकीरा के बाद अब नोरा फीफा वर्ल्ड कप में परफार्म करने जा रही हैं। नोरा ,विश्व मंच पर भारत और खासकर दक्षिण पूर्व एशिया का प्रतिनिधत्वि करने वाली एकमात्र अभिनेत्री बन गईं हैं। नोरा फतेही फीफा के म्यूजिक वीडियो में शामिल होने वाली कलाकार हैं, जो इस साल फीफा में डांस परफॉर्मेंस करते हुए नजर आएंगी। नोरा जिस गाने पर परफॉर्म करेंगी उसे फेमस म्यूजिक निर्माता रेडऑन ने तैयार किया है, जो दुनिया के फेमस रिकॉर्ड निर्माताओं में से एक हैं। नोरा फतेही फीफा के ओपनिंग और क्लोजिंग दोनों सेरेमनी में परफॉर्म करेंगी। बताया जा रहा है कि नोरा क्लोजिंग सेरेमनी में लोकप्रिय हिंदी गाने पर डांस करती नजर आएंगी।

हर अंदाज में दिल जीत लेती हैं नोरा फतेही

बता दें कि नोरा फतेही सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती थीं। नोरा फतेही के इंस्टाग्राम पर 42.6 मिलियन फॉलोअर्स थे, जबकि वो खुद 430 लोगों को फॉलो करती थीं। नोरा फतेही अभी तक 1743 पोस्ट कर चुकी थीं। नोरा फतेही के फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होते थे। कई फैन्स नोरा फतेही को इंस्टा क्वीन भी कहते थे। नोरा फतेही के हॉट अंदाज और किलर डांस मूव्स के सभी दीवाने हैं।

आयशाशर्मा को पैपराज़ी ने वर्कआउट सेशन से पहले कैमरे में किया कैद

आयशा शर्मा को पैपराज़ी ने जिम सेशन से पहले अपने कैमरे में कैप्चर किया इस दौरान आयशा शर्मा काफी हॉट एंड सिज़लिंग लग रहीं थीं, तो आइए आपको दिखाते हैं इन तस्वीरों में आयशा शर्मा क्रॉप टॉप और शॉर्ट्स में काफी किलर लुक में नजर आईं। आपको बता दें कि आयशा शर्मा ने इस दौरान एक बैग कैरी किया और व्हाइट स्नीकर्स और वॉच के साथ अपने लुक को वर्कआउट लुक दिया। मैसी हेयरस्टाइल और विदाउट मेकअप भी आयशा शर्मा काफी ब्यूटीफुल लग रहीं थीं। इस दौरान चेहरे पर प्यारी सी स्माइल के साथ आयशा शर्मा ने पैपराज़ी को एक से बढ़कर एक किलर पोज़ दिए। आपको बता दें कि आयशा शर्मा एक्ट्रेस नेहा शर्मा की बहन हैं और ये दोनों अक्सर एक साथ नजर आती हैं। आयशा शर्मा को उनकी फिटनेस और लुक्स के लिए फैन्स से काफी प्रशंसा मिलती है।

उदित नारायण को पड़ा दिल का दौरा?

मशहूर बॉलीवुड सिंगर उदित नारायण को दिल का दौरा पड़ने की खबरें सोशल मीडिया पर आग की तरह वायरल हो रही हैं। इन खबरों को देखने और पढ़ने के बाद उनके फैंस परेशान हैं। हर कोई उनकी सेहत का हाल जानना चाहता है, लेकिन क्या सच में उदित नारायण को दिल का दौरा पड़ा है? या ये महज एक अफवाह है, तो चलिए आपको बताते हैं वायरल हो रही इस खबर का सच क्या है। दरअसल सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है कि सिंगर उदित नारायण को दिल का दौरा पड़ा है। इन खबरों को देखने के बाद गायक के फैंस चिंता में हैं। वह जानना चाहते हैं कि आखिर माजरा है क्या? तो आपको बता दें कि चिंता करने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है उदित नारायण के हार्ट अटैक की खबरें पूरी तरह से गलत हैं। उनकी सेहत एकदम ठीक है। इन बातों का खंडन उदित नारायण के मैनेजर ने किया है। उदित नारायण के मैनेजर ने बताया है कि उनकी तबीयत एकदम ठीक है और गायक को कुछ नहीं हुआ है। इन अफवाहों पर विराम लगाते हुए उनका कहना है कि पता नहीं कहां से इस तरह की खबरें वायरल हो रही हैं। उनके पास लगातार फोन आ रहे हैं और ट्विटर पर खूब खबरें चल रही हैं, जिसके बाद उदित नारायण से उनकी बात हुई थी। ऐसे में वह भी काफी परेशान नजर आ रहे थे। मैनेजर के अनुसार उनको ऐसा लगता है कि ये अफवाहें नेपाल से फैलाई जा रही हैं। क्योंकि जिस नंबर से यह मैसेज भेजा जा रहा है, वह नेपाल का कोड नंबर है। उनके मैनेजर भी कल रात से चिंता में हैं कि आखिर कौन और क्यों इस तरह की गलत खबर देकर लोगों को परेशान कर रहा है।

'भूल भुलैया 2' की कामयाबी के बाद भी नहीं पिघले सलमान

कार्तिक आर्यन, कियारा आडवाणी और तब्बू जैसे सितारों से सजी साल की सुपरहिट फिल्म भूल भुलैया 2 बनाने वाले निर्देशक अनीस बज्मी की सलमान खान के साथ प्रस्तावित फिल्म 'नो एंट्री में एंट्री' की शूटिंग कब शुरू होगी, इस सवाल का अनीस बज्मी के पास कोई जवाब अब तक नहीं है। उनकी तैयारी फिल्म की शूटिंग जनवरी 2023 में शुरू करने की है, लेकिन फिल्म को लेकर ताजा अपडेट यह है कि सलमान खान ने अभी इस फिल्म के लिए कोई तारीख नहीं दी है। अक्तूबर का महीना शुरू हो चुका है और सलमान की तारीखों के इंतजार में बैठे अनीस अब तक फिल्म के दूसरे कलाकारों को भी इसके बारे में कोई अपडेट नहीं दे पा रहे हैं। फिल्म 'नो एंट्री में एंट्री' को लेकर ये ताजा अपडेट फिल्म के निर्देशक अनीस बज्मी ने ही फिल्म गुड बाय के प्रीमियर के दौरान दिया। अनीस बज्मी के निर्देशन में बनी सलमान खान, फरदीन खान और अनिल कपूर अभिनीत फिल्म नो एंट्री 2005 में रिलीज हुई थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबास्टर साबित हुई। इसके बाद से ही फिल्म के सीक्वल के बारे में चर्चाएं होने लगी। भूल भुलैया 2 की सफलता के बाद फिल्म के निर्देशक अनीस बज्मी ने अपने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि नो एंट्री में एंट्री की तैयारी हो रही है। फिल्म की स्क्रिप्ट भी सलमान खान को पसंद आई है । और, इस फिल्म की शूटिंग वह जनवरी 2023 से शुरू कर देंगे।

फिल्म गुड बा के प्रीमियर पर जब 'अमर उजाला' ने अनीस बज्मी से नो एंट्री में एंट्री के ताजा अपडेट के बारे में जानने की कोशिश की तो अनीस बज्मी ने कहा, हमें भाई (सलमान खान) की डेट का इंतजार है। जैसे ही वह डेट देंगे, उसी हिसाब से फिल्म के शूटिंग की तैयारी शुरू हो जाएगी। हमारी इस बारे में भाई से कई बार बात हुई है। लेकिन, अभी डेट को लेकर कोई बात नहीं फाइनल हुई है। अगर किसी कारणवश देरी होती है तो मैं दूसरे प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दूंगा। भूल भुलैया 2 की सफलता के बाद इस फिल्म की अगली कड़ी की बात भी सामने आई थी। यह पूछे जाने पर कि अगर नो एंट्री में एंट्री में किसी वजह से देरी होगी तो क्या भूल भुलैया 3 पर काम शुरू होगा? अनीस बज्मी कहते हैं, अभी इस बारे में कुछ भी कहना बहुत जल्दबाजी होगी।

आदिपुरुष में ट्रोल होने के बाद महाभारत करना चाहते हैं सैफ अली खान

सैफ अली खान की फिल्म विक्रम वेधा रिलीज हो चुकी है। वहीं उनकी मूवी आदिपुरुष का टीजर चर्चा में है। इस फिल्म में उनके लुक को काफी ट्रोल किया जा रहा है। अब सैफ का कहना है कि वह महाभारत में भी एक्टिंग करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि 1999 में आई फिल्म कच्चे धागे के वक्त से वह अजय देवगन से इस बारे में बात करते आ रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि महाभारत में उनका पसंदीदा किरदार कौन है। सैफ अली खान फिल्म आदिपुरुष में लंकेश के रूप में नजर आएंगे। मूवी का टीजर आ चुका है और यह लोगों को खास पसंद नहीं आया। सोशल मीडिया पर फिल्म की कई चीजों को ट्रोल किया जा रहा है। उनमें सैफ अली खान का लुक भी है। अब एक इंटरव्यू के दौरान सैफ ने बताया कि उन्हें महाभारत में काम करने का मन है। बॉलीवुड बबल को दिए हुए इंटरव्यू में सैफ बोले कि उन्हें नहीं लगता कि आइडियल रोल जैसी कोई चीज होती है। कहा, मुझे जो ऑफर होता है बस उसके बारे में सोचता हूं। मेरा कोई ड्रीम सब्जेक्ट नहीं होता। मुझे नहीं लगता कि ऐसा सोचने का कोई मतलब है।

नई शिक्षा नीति 2020 की उद्योग कनेक्ट सुविधा

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

नई शिक्षा नीति में शिक्षा जगत के ज्ञान वितरण तंत्र में उद्योग के विशेषज्ञों को भागीदार के रूप में शामिल करके उद्योग और संस्थान के बीच की खाई को पाटने पर स्पष्ट ध्यान दिया गया है। यह एक दोतरफा प्रक्रिया है, जो उद्योग के लिए सक्षम है और साथ ही नए स्नातकों को भी लाभान्वित करेगी।

समय के साथ, संस्थान एनईपी 2020 में उल्लिखित अपेक्षाओं के अनुरूप समग्र शैक्षणिक योजना और पाठ्यचर्या गतिविधियों के संचालन में क्रमिक परिवर्तन कर रहे हैं। ऐसे परिवर्तनों के परिणाम प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया है। साइट से सीखने और अनुभव को इकट्ठा करने का अवसर, लगभग सभी कार्यक्रमों में इंटर्नशिप सेमेस्टर का क्रमिक कार्यान्वयन, इस दिशा में पहला कदम रहा है। डिजिटलीकरण के तेजी से विकास ने ऑफ़लाइन सीखने के पारंपरिक मॉडल में आमूल-चूल परिवर्तन लाने में मदद की है और उत्प्रेरक साबित हुआ है। सीखने के वर्तमान हाइब्रिड पैटर्न ने शिक्षा जगत के साथ उद्योग में शीर्ष को ज्ञान चाहने वालों को आवश्यक प्रदर्शन और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। नई शिक्षा नीति के प्रगतिशील कार्यान्वयन के साथ आने वाले समय में, हम न केवल तकनीकी रूप से योग्य, सुसज्जित और बाजार के लिए तैयार रोजगार योग्य युवाओं में एक कार्यबल के रूप में तेजी से वृद्धि देखेंगे, बल्कि उद्यमी डेवलपर्स के एक पंथ के विकास को भी देखेंगे।

उद्योग से संपर्क करने वाले संस्थानों से सीधे संपर्क और एक्सपोजर की अनुमति दी है। छात्र अब बड़े पैमाने पर खुले ऑनलाइन पाठ्यक्रम (MOOC- मूक) संसाधनों के माध्यम से ज्ञान एकत्र करने में और साइट प्रशिक्षण के माध्यम से व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में सक्षम हैं। संस्थान स्तर के इनक्यूबेशन केंद्रों का हालिया विकास और पेटेंट के लिए सहयोग करने, नवाचार करने और पंजीकरण करने की आवश्यकता के बारे में स्नातकों के बीच बढ़ती जागरूकता सक्षम पेशेवरों के एक नए युग का गवाह बनेगी।

गांधी जयंती पर डॉ कृष्णा चौहान ने किया 'महात्मा गांधी रत्न सम्मान 2022' का आयोजन

संतोष साहू -मुम्बई। प्रतिवर्ष 2 अक्टूबर को भारत देश के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जन्मदिवस मनाया जाता है। इस दिन बापू की स्मृति में राजनीतिक दलों सहित कई सामाजिक संस्थाओं द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। ऐसी ही एक संस्था केसीएफ फाउंडेशन के अंतर्गत डॉ कृष्णा चौहान ने गांधी जयंती के अवसर पर अवार्ड शो 'महात्मा गांधी रत्न सम्मान 2022' का आयोजन मेयर हॉल, अंधेरी पश्चिम मुम्बई में दूसरी बार किया। जहाँ मुख्य अतिथि के रूप में अभिनेता रंजीत, निर्देशक मेहुल कुमार, बी एन तिवारी, संगीतकार दिलीप सेन, अनिल नागरथ, पंकज बेरी, लोकसभा सासंद डॉ सुनील बलिराम गायकवाड़, यूनियन लीडर अभिजीत राणे, अभिनेत्री सुजाता मेहता, समाजसेविका सुंदरी ठाकुर, मधुमंगल दास, समाजसेवी व साहित्यकार दीनदयाल मुरारका की विशेष उपस्थिति रही और वे सभी इस प्रतिष्ठित अवार्ड से सम्मानित हुए। पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी बॉलीवुड व सामाजिक क्षेत्रों में अपने उल्लेखनीय कार्यो से लोगों की सेवा करने वालों को डॉ कृष्णा चौहान ने 'महात्मा गांधी रत्न सम्मान 2022' प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया। कार्यक्रम में रंजीत ने कहा कि सत्य व अहिंसा के पुजारी बापू का अनुसरण करते रहें और प्रेमपूर्वक जीवन बिताएं। मैं फिल्मों में विलेन हूँ लेकिन मुझे लोगों का भरपूर प्यार मिला। मेहुल कुमार ने कहा कि गांधी जी को लोग फॉलो करना भूलते जा रहे हैं,

हमें उनके आदर्शों पर चलने की आवश्यकता है।वहीं अनिल नागरथ ने कहा कि आज अंधी दौड़ में लोग स्वार्थी बन गए हैं। हर किसी को किसी न किसी की जरूरत है इसीलिए अपने लोगों के लिए थोड़ा समय निकालने चाहिए। कथा वाचक मधुमंगल दास ने कहा कि महात्मा कभी कभी दुनिया में आते हैं। गांधी जी की तरह हमें भी अपने जीवन में दिनचर्या की शुरुआत भजन से करने चाहिए। डॉ सुनील बलिराम गायकवाड़ ने कहा कि गांधी जी के विचारों से प्रेरणा लेकर अपने कर्म करने चाहिए।इस अवार्ड शो में अभिनेता नाफ़े खान, श्यामलाल, राजकुमार कनौजिया, जीनत एहसान कुरैशी, निर्माता संदीप नागराले, सोशल वर्कर मयंक शेखर, डांसर शिरीन फरीद, एक्ट्रेस सीमा सूर्यवंशी, सिया कली, बॉलीवुड एस्ट्रोलॉजर प्रीति झिंगियानी, सिंगर राजू टांक, ब्राइट आउटडोर पब्लिसिटी के यॉगेश लखानी, शब्बीर, पब्लिसिटी डिजाइनर आर राजपाल, एस्ट्रोलॉजर पुनीत वोरा, एक्ट्रेस रुत्वा प्रजापति, एंकर डॉ भारती छाबरिया, गाँधीजी की वेशभूषा में पवन तोडी, लेखक पी के गुप्ता, सोशल वर्कर योगेश सुभाष भान सुधाकर माणिकराव कापरे, डॉ अर्चना देशमुख, समीरा शेख, एन डी खान, आमिर मुल्ला, डॉ सुनील साठे, मयंक अग्रवाल, उपवन फाउंडेशन, गीतकार एम प्रकाश सम्मानित हुए। इस कार्यक्रम में शिरीन फरीद, सिया काले और सीमा सूर्यवंशी ने स्टेज पर सुंदर नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी।कृष्णा चौहान अपने अवार्ड शो में पत्रकारों का सम्मान करना नहीं भूलते अतः इस बार भी उन्होंने मंच पर पत्रकार संतोष साहू, कालिदास पांडेय, देवेंद्र खन्ना, राजेन्द्र कुरील, दिलीप पटेल, दिनेश कुमार, एस. के. डे, पंकज पांडेय, राहुल वरुण, दीपक साहू, राजेन्द्र बोडारे, उपेंद्र पंडित, नईम सिंह, केवल कुमार,नवीन पांडे, टिंकू चौहान, नासिर तागले, मोहन राजपूत एवं फोटोग्राफर राजेश कोरिल, दिनेश परेशा, चंद्रप्रकाश मांझी को महात्मा गांधी रत्न सम्मान 2022 से सम्मानित किया।आपको बता दें कि डॉ कृष्णा चौहान बॉलीवुड में एक निर्देशक के हैसियत से सक्रिय हैं। कई शॉर्ट फिल्म और म्यूजिक वीडियो उनके निर्देशन में बनी है। जल्द ही उनकी फिल्म 'आत्मा डॉट कॉम' की शूटिंग प्रारम्भ होने जा रही है जिसके संगीतकार 'ओले ओले' वाले दिलीप सेन हैं। इनके अलावा पिछले कुछ वर्षों से कृष्णा बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड, बॉलीवुड आइकॉनिक अवार्ड, लीजेंड दादासाहेब फाल्के अवार्ड का आयोजन करते आ रहे हैं।

एकांत में निष्काम भाव से जप करोगे तो ईश्वरीय शक्ति का अनुभव होगा : द्रुमिलकुमारजी महाराज

84 कोश व्रज की तरह ही पवित्र 84 कोश नैमीशारण्य में हजारों वर्ष पुराने अलौकिक वटवृक्ष की छांव में समग्र नवरात्र के दौरान सतत कठोर तपस्या गोस्वामी द्रुमिलकुमारजी महाराज ने की थी उस वक्त की तस्वीर।

मुंबई : अध्यात्मिक क्षेत्र में प्रगति करनी हो तो एकांत में निष्काम भाव से जप करने से भक्ति का उदय होता है, अन्तःकरण की शुद्धि होती है, ईश्वरीय शक्ति का अनुभव होता है ऐसा प्रसिद्ध गोस्वामी श्री द्रुमिलकुमार जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा। समग्र नवरात्र के दौरान नैमीशारण्य में अखंड जप और कठोर तपस्या के पश्चात मुंबई आकर बड़ौदा जाने से पूर्व नैमीशारण्य के महात्मय के बारे में एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने बताया की नैमीशारण्य की पवित्र भूमि पर ८८ हज़ार ऋषियों ने तप किया था तथा एक हज़ार साल तक सत्संग चला था। भगवान ब्रह्मा जी ने दर्शाई हुई ये साधना स्थली श्रेष्ठ है। पुराणों में इनका वर्णन देखने मिलता है। ५५० वर्ष पूर्व महाप्रभु श्री वल्लभाचार्य जी यहां पधारे थे और श्रीमद् भागवत का पारायण किया था इसलिए यहां महाप्रभु जी की बैठक भी है।

मनपा आयुक्त द्वारा अग्निशमन विभाग के 14 कर्मियों को पदोन्नति

गणेश पाण्डेय। भाईंदर मीरा भाईंदर मनपा के स्थापना से कार्यरत 12 अग्निशामकों कोफायरमैन, एक जूनियर इंजीनियर को शाखा इंजीनियर और एक मैकेनिकल ऑपरेटर सहायक फायर सेंटर अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है। वर्षो से अपने ऑफिस में बेहतरीन काम करते हुए ये स्टाफ प्रमोशन का इंतजार कर रहे थे। जिसको मीरा भाईंदर आयुक्त दिलीप ढोले ने लिया संज्ञान लेकर उपायुक्त (मुख्यालय) मारुती गायकवाड़ की पहल की मदद से उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए इन सभी मनपा कर्मियो को उनके कामो के लिए सम्मानित किया गया। प्रशांत अंकुश गुरव, सहायक फायर स्टेशन अधिकारी, सचिन पवार, शाखा अभियंता, जयकुमार पाटिल, आतिश पशते, सूर्यकांत शिंदे, राहुल जाधव, सुरेश साबळे, संदीप कोकरे, दीपक भोसले, संतोष पाटिल, चेतन ज़ाडे, सचिन पायकर, रोहित पट को धनीलाल गावित को फायर फाइटर के पद पर पदोन्नत किया गया। सभी उपस्थित स्टाफ ने आयुक्त दिलीप ढोले, उपायुक्त (मुख्यालय) मारुति गायकवाड़ को पदोन्नति के लिए आभार व्यक्त किया दिया। और आयुक्त ने सभी पदोन्नत कर्मचारियों को आगे की जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दिया।

शंकराचार्य सदानंद सरस्वती जी महाराज का कुवाडवा-राजकोट के गुरुदत्त मठ में आगमन

राजकोट : नवमी नवरात्र के शुभ दिवस पर श्री गुरूदत्त मठ (कुवाडवा -राजकोट) में द्वारका शारदापीठाधीश्वर अनंत श्री विभूषित जगतगुरू शंकराचार्य स्वामी परम पूज्य श्री सदानंद सरस्वती महाराज जी गुरूदत्त मठ के संस्थापक यति श्री ब्रह्मदेवजी महाराज के प्रेम और निमंत्रण से मठ पधारकर सबको आशीर्वचन दिया। समग्र नवरात्री के अनुष्ठान पर्व के दौरान अनंत श्री विभूषित ब्रह्मलीन जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज के कृपापात्र शिष्य पूज्य यति श्री ब्रह्मदेवजी महाराज की सुपुत्री पूज्य श्री बालाम्बा देवीजी ने प्रतिदिन अलग अलग सामग्री से भगवती मां ललिताम्बा के सहस्त्र नामावली का अभिषेक किया। गुरुदेव ने अखंड साधना की। इस शुभ अवसर पर कन्या भोजन का आयोजन कीया गया और मुंबई से मठ के ट्रस्टी श्री मोहनभाई प्रजापति , ट्रस्टी श्री संदिपभाई मकवाणा , ट्रस्टी श्री मेवाराम प्रजापति ,ट्रस्टी श्री पोकरभाई सुथार, श्री भगवान सिंह राठोड , मुकेशभाई मकवाणा एवं बाडमेर जिल्ले से झाला साहेब एवं उनके मित्र परिवार तथा अन्य भक्त गण भी हाजिर थे। सर्वेने जगत् गुरूजी के दर्शन, पादुका पूजन कीया और उनके आर्शिवाद प्राप्त कीया। विशेष ईस अवसर पर राजकोट के पूर्व मेयर श्रीमती रक्षाबेन रघुभाई बोळीया अपने गरबा मंडली के साथ आ कर पूज्य जगतगुरूदेव के सामने गरबा रास प्रस्तुत किया। पूज्य श्री का आर्शिवाद प्राप्त कीया एवं मठ मे सभी ने साथ में भोजन प्रसाद ग्रहण किया।

तखतगढ़ में 275 फीट की भारत माता की प्रतिमा और ऋषिमुनियों महापुरुषों और शहीदों का म्यूजियम निर्माण होगा

- युवाचार्य अभयदास जी महाराज का संकल्प......
- ११ हजार वनवासी छात्रों के लिए गुरुकुल तैयार होगा.......
- योग व वेलनेस सेंटर के साथ स्किल डेवलपमेंट सेंटर बनेगा.......
- कुरीतियों के अंत का अभियान चलाया जाएगा.......
- सद्गुरु त्रिकमदास जीवित समाधि धाम के नवीन भवन का उद्घाटन........
- नवंबर में प्रोजेक्ट के शिलान्यास में योगी आदित्यनाथ जी, बाबा रामदेव जी, मंत्री गजेंद्रसिंह जी पधारेंगे...........
- महोत्सव में जगदगुरू रामभद्राचार्य जी के प्रवचन........
- * अगले साल शिकागो की धर्म संसद में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे अभयदास महाराज.......

जीतु सोमपुरा पाली : गुजरात के सरदार पटेल की मूर्ती की तर्ज पर तखतगढ़ में २७५ फीट ऊंची भारत माता की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। १४ बीघा जमीन पर ऋषि मुनियों - महापुरुषों, शहीदों का म्यूजियम बनेगा। कोटड़ा में ११ हजार वनवासी छात्रों के लिए वनवासी गुरुकुल का निर्माण होगा। योग व वेलनेस सेंटर के साथ स्किल डेवलपमेंट सेंटर भी तैयार होगा ऐसा तेजस्वी युवाचार्य अभयदास जी महाराज ने एक मुलाकात में सुख शांति समृद्धि पत्रिका को कहा है। 23 नवंबर से आयोजित पांच दिवसीय कार्यक्रम में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज तखतगढ आएंगे। वे यहां 23 से 27 नवंबर तक होने वाले एक धार्मिक आयोजन में हिस्सा लेंगे। जिसकी तैयारियां शुरू हो चुकी है। स्थानीय सदगुरु श्री त्रिकमदासजी धाम पीठ के संत एवं युवाचार्य स्वामी अभयदास महाराज ने बताया कि पाली जिले के तखतगढ में हनुमान गली स्थित सदगुरू त्रिकमदास जीवित समाधि धाम के नवीन भवन का उद्घाटन, सहस्त वनवासी गुरूकुल तथा विश्व की सबसे ऊंची भारत माता प्रतिमा का शिलान्यास 27 नवंबर को होगा। ये समग्र प्रोजेक्ट आगामी तीन से चार साल में बनकर तैयार हो जाएगा। ये कार्यक्रम उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ महाराज के अलावा योगगुरू बाबा रामदेव जी महाराज तथा केंद्रीय जल संसाधन मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत के आतिथ्य में होगा। स्वामी अभय दास जी महाराज ने बताया कि ठाकुरजी की कृपा से उन्होंने तखतगढ़ में दुनिया की सबसे ऊंची भारत माता की प्रतिमा लगाने का अनूठा संकल्प लिया है। पांच दिवसीय कार्यक्रम में भारत सरकार से पदम विभूषण प्राप्त जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज श्री भक्तमाल कथा पर आधारित प्रवचन करेंगे। पूरे प्रोजेक्ट में ३५ से ४० करोड़ से ज्यादा खर्च होगा जो जन सहयोग से तथा प्रवासी मुलाकातिओ से जुटाए जाएंगे। स्थानीय कबीर आश्रम धाम पीठ के संत तथा अपनी लोकप्रिय प्रवचन शैली और सात्विक कार्यशील वृत्ति के लिए प्रसिद्ध अभयदास जी महाराज ने एक प्रश्न के उत्तर में दर्शाया की उदयपुर के कोटड़ा तहसील के सेई बांध के पास ११ हज़ार वनवासी छात्रों के जीवन स्तर को विकसित करने के लिए पहला गुरुकुल तैयार होगा जिसमें आधुनिक शिक्षा पद्धति के साथ साथ संस्कारो का भी समागम होगा। यज्ञ शाला से लेकर युवाओं के लिए केरियर गाइडेंस सेंटर भी बनेगा। बहोत जल्द बड़े पैमाने पर कुरीतियों के अंत का अभियान प्रारंभ होगा। सभी कार्य सहस्त फाउंडेशन की देखरेख में जन सहयोग से होंगे। तखतगढ़ धाम पीठ स्थित त्रिकमदास जी धाम के निर्भयदास महाराज के सानिध्य में युवाचार्य अभयदास जी महाराज अगले साल अगस्त में अमेरिका के शिकागो में होनेवाली पार्लियामेंट ऑफ वर्ल्ड रिलीजन में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। देशविदेश में १५० से अधिक कथा कर चुके युवाचार्य श्री अभयदास जी महाराज डॉ. संपूर्णानंद संस्कृत में आचार्य कर चुके है। सहस्त फाउंडेशन के नाम से वनवासी बंधु सेवार्थ ट्रस्ट चला रहे है।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।